राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार 07 जुलाई 2023 वर्ष-6,अंक-163 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सामंथा रुथ प्रभु ने स्कूल की बच्चियों को लगाया गले

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म कुशी की शूटिंग में बिजी चल रही हैं। शूटिंग के दौरान के कई वीडियो और फोटोज सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। इसी बीच सामंथा का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें वह फिल्म के सेट पर स्कूल की कुछ लड़कियों को गले लगाते हुए नजर आईं। वीडियो में सामंथा रेड साड़ी में नजर दिखाई दीं, जिसमें वह काफी खूबसूरत लग रही हैं। इस दौरान सेट पर कुछ बच्चे उनसे मिलने पहुंचे। एक्ट्रेस ने टाइम निकालकर उनसे मुलाकात की। वीडियो में सामंथा उन बच्चों के साथ सेल्फी लेते हुए दिखाई दे रही हैं। वीडियो समाने आते ही फैंस ने सामंथा के इस स्वीट जेस्चर की खूब तारीफ की। वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए उन्हें डाउन टू अर्थ बताया है। इससे पहले सामंथा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया था, जिसमें वह विजय देवरकोंडा के साथ नजर आ रही थीं। ये वीडियो कुशी की शूटिंग के दौरान का ही है। दोनों फिल्म की शूटिंग आंध्र प्रदेश के एक मंदिर में कर रहे थे। सोशल मीडिया पर सामने आए इस वीडियो में शूटिंग के दौरान सामंथा को नई दुल्हन के रूप में सजी-धजी हुई देखा गया।

दिल्ली-एनसीआर में मानसून की जोरदार एंट्री

गाजियाबाद में झमाझम बारिश से सड़कें बनी तालाब, ट्रैफिक जाम, गलियों में फ्रिज बह गए, नगर आयुक्त के घर में पानी भरा

गाजियाबाद/दिल्ली। दिल्ली के कई इलाकों में आज सुबह से ही बारिश की खबर है। वहीं गाजियाबाद और नोएडा में तेज हवा के साथ बारिश हो रही है। लोगों को उमस से भी राहत मिली गई है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में अगले पांच दिन तक बारिश की संभावना है। आधे घंटे की बारिश में ही सड़कों पर पानी भर गया। ऑफिस जाने वाले लोगों को ट्रैफिक जाम की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि दिल्ली-नोएडा और गाजियाबाद में तेज बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, लोनी देहात, हिंडन एएफ स्टेशन, गाजियाबाद, इंदिरापुरम, छपरौला, नोएडा और दादरी में बारिश हो रही है। इसके अलावा हरियाणा के सोनीपत, खरखौदा, यूपी के बड़ौत, बागपत, मेरठ, खेकड़ा, मोदीनगर, किठौर, पिलखुवा, हापुड़ में भी बारिश हो रही है। गाजियाबाद और नोएडा में तेज बारिश की वजह से सड़कों पर पानी भर गया है। बारिश की वजह से ट्रैफिक की रफ्तार धीमी हो गई है। दिल्ली-एनसीआर में सुबह के वक्त लोग ऑफिस जाने के लिए घरों से निकल रहे हैं, लेकिन बारिश की वजह से सभी को परेशानी हो रही है। गाजियाबाद में आज सुबह से सीजन की सबसे तेज बारिश हो रही है। स्थिति ये हो गई कि सुबह 9 बजे सड़कों पर अंधेरा छा गया। पहले काले बादल घुमड़कर आए, फिर तेज बारिश होने लगी। कैला भट्टा इलाके में तेज बारिश के चलते दुकान के बाहर रखे कई फ्रिज गलियों में बहने लगे। इस वजह से गर्मी से थोड़ा निजात मिली है। अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रह गया है। हालांकि बारिश के चलते लोनी, कविनगर, खोड़ा, इंदिरापुरम सहित कई इलाकों में जलभराव की सूचनाएं आई हैं। गौशाला अंडरपास में करीब 20 फीट पानी भर गया। राजनगर एक्सटेंशन में दीवार गिरने से लंबा जाम लग गया। गाजियाबाद के ज्यादातर इलाके पानी से डूबे नजर आए। और तो और, नगरायुक्त नितिन गौड़ के सरकारी आवास में भी बारिश का पानी घुस गया। राजनगर एक्सटेंशन में गौर ग्लोबल सोसाइटी के पास एक बड़े हिस्से में बेसमेंट खोदा जा रहा था। उसकी दीवार तेज बारिश में ढह गई है। इसका कुछ मलबा रोड पर आ गिरा है। इस वजह से राजनगर एक्सटेंशन की एक रोड पूरी तरह ब्लॉक हो गई है। यहां की एक वीडियो सामने आई है। जिसमें दूर तक वाहनों की लंबी लाइन लगी हुई है। राजनगर एक्सटेंशन रोड गाजियाबाद को दिल्ली से भी जोड़ती है।

पीड़ित दशमत रावत को सुदामा कहकर सीएम ने धोए पैर

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में आदिवासी दशमत रावत पर एक भाजपा कार्यकर्ता के बेशर्मी से पेशाब करने की घटना के बाद से सियासत गरमाई हुई है। गुरुवार को पीड़ित दशमत रावत भोपाल मुख्यमंत्री निवास पहुंचे। यहां सीएम शिवराज ने दशमत के पैर धोकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। सीएम शिवराज ने कहा कि मन दुखी है। मेरे लिए जनता ही भगवान है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पीड़ित से बात की। सीएम ने पूछा कि बच्चे पढ़ रहे हैं? छात्रवृत्ति मिलती है? कोई परेशानी हो तो मुझे बताना है। बेटी लाडली लक्ष्मी है। पत्नी को लाडली बहना का लाभ मिल रहा है? आवास योजना का लाभ मिल रहा है? सीएम ने कहा कि बेटी को पढ़ाना है। बेटियां आगे बढ़ रही हैं। दशमत ने सीएम को बताया कि वह पल्लेदारी का काम करता है। मुख्यमंत्री ने पीड़ित से कहा कि मुझे बहुत दुख हुआ। मैं माफी चाहता हूं। मेरे लिए जनता ही भगवान समान है। सीएम ने दशमत को सुदामा कहते हुए कहा कि तुम अब मेरे दोस्ते हो। बता दें सीधी में भाजपा नेता प्रवेश शुक्ला का दशमत रावत के ऊपर पेशाब करते वीडियो वायरल हुआ था।

वैन की डीटीसी बस से भिड़ंत, तीन की मौत

■ डिवाइडर से टकराकर दूसरी तरफ गिरी वैन, कई घायल

लोनी गोल चक्कर के पास फ्लाईओवर के ऊपर की घटना

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के ज्योति नगर में एक मारुति वैन सड़क के डिवाइडर से टकराकर दूसरी जा गिरी जहां सामने से आ रही डीटीसी बस से जोरदार टक्कर हो गई। घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। घटना थाना क्षेत्र में पड़ने वाले लोनी गोल चक्कर के पास फ्लाईओवर के ऊपर की बताई जा रही है। दरअसल वैन में 11 लोग सवार थे। घायलों को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया। जहां अस्पताल में 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया।

असम में जुटे 12 राज्यों के बीजेपी नेता

नई दिल्ली। अगले साल लोकसभा चुनाव होने हैं ऐसे में अभी से सभी पार्टियां अपनी-तैयारियों में जुट गई हैं। एक ओर जहां भाजपा के विपक्षी दल सत्ताधारी पार्टी को हराने के लिए विपक्षी एकता बनाने की कोशिशों में लगे हैं, वहीं दूसरी ओर भाजपा भी अपनी रणनीति बनाने में लगी है। इसी क्रम में पूर्वी और पूर्वो■ भारत के 12 राज्यों के वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने गुवाहाटी में बैठक हो रही है। इस दौरान 2024 के लोकसभा चुनाव पर रणनीति को लेकर मंथन किया गया। इस बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बी. एल. संतोष, केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और पार्टी के कई सांसद तथा विधायक और राज्य इकाई के अध्यक्ष सहित अन्य लोग शामिल हुए हैं। बैठक के बारे में असम भाजपा अध्यक्ष भाबेश कलिता ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जोनल कमेटी की ये बैठक दिनभर चलेगी। इसमें जिन मुद्दों पर चर्चा होनी है, उन पर चर्चा के लिए बुधवार रात पार्टी की कोर कमेटी की बैठक की गई थी।

भारत और भारतीयता के लिए समर्पित था

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन: सीएम योगी

■ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 123वीं जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन भारत और भारतीयता के लिए समर्पित था। भारत की एकात्मता और अखंडता के लिए उनके द्वारा किए गए बलिदान को यह देश सदैव स्मरण करेगा। उन्होंने कहा कि वह भारत के उद्योग और खाद्य नीति के मार्गदर्शक थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार को आगे बढ़ाया जा रहा है। सीएम योगी गुरुवार को पार्क रोड स्थित सिविल हॉस्पिटल पहुंचे, जहां उन्होंने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 123वीं जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि स्वतंत्र भारत की पहली सरकार ने तुष्टिकरण की नीति पर चलना शुरू किया तो उन्होंने कैबिनेट से इस्तीफा देकर भारतीय जनसंघ की स्थापना की। सीएम योगी ने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सरकार से मतभेद उस समय भी देखने को मिले था, जब तत्कालीन नेहरू सरकार ने भारत के संविधान में जबरन अनुच्छेद 370 जोड़कर देश की संप्रभुता और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का प्रयास किया था। उसका श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जमकर विरोध किया था। उस समय उन्होंने नारा दिया था एक देश के दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चलेंगे। सीएम योगी ने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी महान देशभक्त, प्रखर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और प्रख्यात शिक्षाविद थे। आजादी के आंदोलन में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आजादी के पूर्व बंगला में आई अकाल की त्रासदी के समय उन्होंने मानवता की सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया। सीएम योगी ने कहा कि भारत के प्रति डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की सोच को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। 1952-1953 से चली आ रही त्रासदी अनुच्छेद 370 को प्रधानमंत्री मोदी ने 5 अगस्त 2019 को समाप्त किया गया और जम्मू कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। आज जम्मू और कश्मीर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

बाल देखभाल केंद्रों में बुनियादी कमियों को किया जाएगा दूर

स्मृति ईरानी ने मांगी जानकारी

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने बच्चों की देखभाल के लिए बनाए गए आयोग एनसीपीसीआर में आधारभूत कमियों का पता लगाएं ताकि मंत्रालय उन्हें दूर करने के लिए केंद्रीय बजट में प्रावधान कर सके। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। बता दें कि किशोर न्याय अधिनियम की धारा 27 के तहत हर जिले में एक बाल कल्याण समिति का गठन जरूरी है। यह बाल कल्याण समिति ही बच्चों से जुड़े देखभाल, सुरक्षा, उपचार, विकास और पुनर्वास से संबंधित मामलों का निपटारा करती है। केंद्रीय मंत्री ईरानी ने देश में बच्चों के अधिकारों का संरक्षण करने वाले निकाय एनसीपीसीआर से विनती की है कि वह बाल देखभाल केंद्रों में आधारभूत कमियों की पहचान और समीक्षा करे। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बाल कल्याण समितियों का गठन करने में आर्थिक और आधारभूत मदद करेगा। नियमों के तहत हर बाल देखभाल केंद्र में बाल कल्याण समिति के लिए 300 वर्ग फीट के दो कमरों का निर्माण जरूरी है। जिन देखभाल केंद्रों में जगह उपलब्ध है, वहां समिति को इसे मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। जहां जगह उपलब्ध नहीं है, वहां मिशन वात्सल्य के तहत आर्थिक मदद दी जाएगी।

शरद पवार की उम्र को लेकर अजित ने कसा तंज तो लालू ने किया पलटवार

बोले: राजनीति में कोई रिटायर नहीं होता

नई दिल्ली। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव गुरुवार को मेडिकल चेकअप के लिए दिल्ली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा पर निशाना साधा। साथ ही विपक्षी एकता पर भी बात की। वहीं, राहुल गांधी को शादी करने की दी गई सलाह पर आरजेडी प्रमुख ने कहा कि पत्नी के बिना पीएम आवास में रहना गलत है। उन्होंने यह विश्वास भी जताया कि अगले साल होने वाले चुनाव में उन्हें अच्छी खासी सीटें मिलेंगी। राजद सुप्रीमो लालू यादव ने महाराष्ट्र में मचे सियासी घमासान पर भी बात की। उन्होंने शरद पवार के राजनीति से रिटायरमेंट पर हो रही बहस को लेकर उनका समर्थन किया है। लालू ने कहा कि बूढ़ा आदमी राजनीति में कभी रिटायर नहीं होता है। दरअसल, हाल ही में बने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने एनसीपी को अपनी पार्टी बताने के बाद कहा था कि शरद पवार की उम्र हो गई है। उनके रिटायरमेंट का समय हो गया है। लालू ने उनकी इसी टिप्पणी पर तंज कसते हुए कहा कि भतीजे के कहने से शरद पवार रिटायर नहीं होंगे।

हरिद्वार से साढ़े 9 लाख कांवड़ियों ने उठाया गंगाजल

यूपी के भोले दो दिन बाद सड़कों पर दिखेंगे, सड़क से आसमान तक निगरानी

संवाददाता

गाजियाबाद। हरिद्वार में कांवड़ यात्रा मेला 4 जुलाई से प्रारंभ हो चुका है। शुरूआती दो दिनों में करीब साढ़े 9 लाख गंगाजल भरकर अपने गंतव्यों को निकल चुके हैं। अभी सिर्फ राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र जैसे दूर-दराज के राज्यों वाले कांवड़िए ही हरिद्वार पहुंच रहे हैं। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब आदि राज्यों के कांवड़िए सड़कों पर 8 जुलाई से दिखाई देने लगेंगे। इसे लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सड़क से आसमान तक निगरानी है। माना जा रहा है कि कांवड़ यात्रा के आखिरी तीन दिनों में दौरा करने के लिए वेस्ट यूपी के अधिकारियों को सरकारी हेलीकॉप्टर दिया जा सकता है। 19 साल का दिव्यांग कांवड़िया विशेष गंगाजल लेने के लिए व्हीलचेयर से बागपत से हरिद्वार पहुंचा है। विशेष बागपत जिले में पिलाना क्षेत्र का रहने वाला है। उसे बागपत से हरिद्वार पहुंचने में तीन दिन लगे। अब उसने बुधवार को हर की पैड़ी से गंगाजल उठाया है और शिवरात्रि पर पुरा महादेव मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक करेगा। मुजफ्फरनगर से इखढ सांसद एवं केंद्र में मंत्री संजीव बालियान भी इस बार कांवड़ लाएंगे। वे 11 जुलाई की सुबह 8 बजे हरिद्वार में हर की पैड़ी से कांवड़ उठाएंगे। ये कांवड़ यात्रा 15 जुलाई को मुजफ्फरनगर पहुंचेगी। सांसद के साथ बड़ी संख्या में उनके समर्थक भी हरिद्वार जा रहे हैं। वहीं गाजियाबाद के डासना स्थित शिवशक्ति धाम के पीठाधीश्वर एवं महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरि साधु-संतों और पूर्व सैनिकों के साथ 6 जुलाई को हरिद्वार के लिए रवाना होंगे। त्तराखंड पुलिस ने इस बार बिना साइलेंसर वाली बाइकों पर पाबंदी लगाई है। ऐसी बाइकों को यूपी-हरिद्वार के नारसन बॉर्डर पर रोका जा रहा है। इसमें उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड पुलिस मिलकर संयुक्त रूप से कार्रवाई कर रही हैं। बुधवार को मुजफ्फरनगर जिले की पुरकाजी पुलिस ने बिना साइलेंसर वाली 5 बाइकों को सीज किया है, जबकि 7 बाइकों का चालान करके 7 हजार रुपए का जुमार्ना वसूला गया है। पुलिस का मानना है कि बाइकों पर साइलेंसर नहीं होने से वायु प्रदूषण होता है और पैदल चलने वाले कांवड़िए उसकी आवाज से हड़बड़ा जाते हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

फिजूलखर्ची पर फटकार

यह विडंबना ही है कि जनता के हितों की दुहाई देकर सत्ता में आने पर राजनीतिक दलों की प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। वे दावे तो आसमान से तारे तोड़ लाने के करते हैं लेकिन जमीनी हकीकत निराशाजनक ही होती है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि थोड़े से काम को इस तरह प्रचारित किया जाता है जैसे धरती पर स्वर्ग उतर आया हो। जबकि हकीकत में जनता के करों से अर्जित धन को निर्ममता से प्रचार-प्रसार में उड़ाया जाता है। विकास की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करके सरकारी धन को विज्ञापनों व फिजूलखर्ची में उड़ाने वाली दिल्ली सरकार की कारगुजारियों पर शीर्ष अदालत की फटकार को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। अदालत ने सख्त लहजे में कहा भी कि ऐसा क्यों है कि लोगों को मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिये सरकार के पास पैसा नहीं है? तो फिर विज्ञापनों पर अनाप-शनाप खर्च होने वाला धन कहां से आ रहा है? दरअसल, दिल्ली सरकार ने शीर्ष अदालत के निर्देश के बावजूद रैपिड रेल परियोजना के लिये आर्थिक योगदान देने में वित्तीय संकट का रोना रोया था। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जनहित की योजनाओं में योगदान करने से कतराने वाली सरकार विज्ञापनों तथा अन्य गैर जरूरी काम के लिये धन कहां से ला रही है? यही वजह है कि दिल्ली सरकार की नीयत को भांपते हुए शीर्ष अदालत ने विज्ञापनों पर खर्च किये गये उस धन का विवरण मांगा है जो पिछले तीन वित्तीय वर्षों में व्यय किया गया। जानकार सूत्र बता रहे हैं कि जिस रैपिड रेल परियोजना में दिल्ली सरकार ने योगदान देने से मना किया था वह दिल्ली को राजस्थान व हरियाणा से जोड़ सकती है। जिससे सड़कों पर ट्रैफिक के दबाव को कम करने में मदद मिल सकती थी। विडंबना यह है कि सूचना अधिकार कानून के तहत हासिल जानकारी बता रही है कि पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली सरकार द्वारा विज्ञापनों पर किया खर्च पांच सौ करोड़ रुपये के करीब हो गया है। निश्चय ही यह लोकतंत्र में जनधन के दुरुपयोग की पराकाष्ठा है। शर्मनाक ढंग से गैर उत्पादक कार्यों में अंधाधुंध पैसा लुटाया जा रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जनता को सब्जबाग दिखाकर व मुफ्त का प्रलोभन देकर सत्ता में आये राजनीतिक दलों का वास्तविक चरित्र क्या है? ऐसे दलों की कथनी और करनी की वास्तविकता क्या है? अंधाधुंध विज्ञापनों पर खर्च करके राजनीतिक दल क्या हासिल करना चाहते हैं? क्या यह प्रचार की भूख है या अपनी नाकामियों पर पर्दा डालने का असफल प्रयास? दिल्ली की जनता की याददाश्त इतनी कमजोर भी नहीं कि उसे याद न हो कि दिल्ली में वोट मांगते समय आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने सरकारों की फिजूलखर्ची और राजनीतिक दलों के थोथे प्रचार पर जनधन खर्च करने पर सवाल उठाये थे। जनता ने आप के दावों पर भरोसा भी किया और अपार जनसमर्थन भी दिया। मगर परिणाम वही ढाक के तीन पात रहे। दरअसल जब से आम आदमी पार्टी खुद सत्ता में आई तो राज्य सरकार की रीतियां-नीतियां पुरानी सरकारों के ढर्रे पर चल निकली हैं।

आज का राशीफल

मेष — बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ — पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन — सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क — बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह — प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला — राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ — व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

बीतने लगा भारत-मिस्र दूरियों का दौर

विवेक काटजू, पूर्व राजनयिक

> सन् 1967 में इजरायल के साथ युद्ध में मिस्र पराजित हुआ, जिसके कारण नासिर और मिस्र की साख अरब दुनिया व विकासशील देशों में कम हुई। सन् 1970 में नासिर के देहांत के बाद अनवर अल-सादात ने उनकी जगह ली। सादात ने मिस्र की विदेश नीति को एक नया मोड़ दिया। पहले तो उन्होंने 1973 में इजरायल से युद्ध के जरिये मिस्र की कुछ भूमि और साख वापस पाने की कोशिश की। इसमें कुछ सफलता मिलने के बाद उन्होंने मिस्र के संबंध सोवियत संघ (अब रूस) से कम करके अमेरिका से बढ़ाना तय किया। 1977 में उन्होंने अरब दुनिया और विश्व को तब चौंका दिया, जब उन्होंने इजरायल का दौरा किया।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दो दिवसीय दौरे पर काहिरा पहुंचना और वहां मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के साथ मिलकर आपसी रिश्ते को हर दिशा में मजबूत करने का वादा करना अस्वाभाविक नहीं है। अल-सिसी इसी साल जनवरी में गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भारत आए थे, जिसमें दोनों शीर्ष नेताओं ने कई अहम फैसले लिए थे, और द्विपक्षीय रिश्ते का स्तर ऊंचा करके सामरिक साझेदारी विकसित करने पर सहमति जताई थी। अल-सिसी की भारत-यात्रा के पांच महीने बाद ही प्रधानमंत्री मोदी मिस्र के राजकीय दौरे पर पहुंचे, और राष्ट्रपति को जी-20 के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बतौर विशेष अतिथि आमंत्रित भी किया। यह सम्मेलन इसी साल सितंबर में भारत में होने वाला है। दुनिया में मिस्र का एक विशेष स्थान है। वह न सिर्फ अरब देशों में सबसे बड़ी आबादी वाला मुल्क है, बल्कि उसकी सभ्यता, संस्कृति और साहित्य का व्यापक प्रभाव अरब दुनिया के सभी हिस्सों पर पड़ा है। इस्लाम के नजरिये से भी उसकी एक खास हैसियत है। अल-अजहर विश्वविद्यालय के फतवे का खासा आदर किया जाता है। बेशक, मिस्र में कट्टरपंथी विचारधारा भी पनपी, जिसको इख्वान अल-मुस्लमीन (मुस्लिम ब्रदरहुड) ने बढ़ावा दिया। मगर अल-सिसी की हुकूमत और इससे पहले 1950 व 1960 के दशक में वहां के मशहूर नेता गमाल अब्देल नासिर ने पूरी कोशिश की कि ऐसी विचारधारा जड़ न जमा सके। यहां यह भी याद रखना चाहिए कि नासिर, नेहरू और टीटो ने ही गुटनिरपेक्ष आंदोलन को प्रोत्साहित किया था। यह वह जमाना था, जब भारत और मिस्र के संबंध में विशेष गर्मजोशी थी, और दोनों देश इस प्रयास में थे कि वे विश्व में औपनिवेशिक व्यवस्था को खत्म करके स्वतंत्र घरेलू व विदेश-नीति की राह चलें। दोनों देशों ने तब द्विपक्षीय आर्थिक और रक्षा सहयोग बढ़ाने का भी प्रयास किया, लेकिन इसमें उनको विशेष सफलता नहीं मिली थी।

सन् 1967 में इजरायल के साथ युद्ध में मिस्र पराजित हुआ, जिसके कारण नासिर और मिस्र की साख अरब दुनिया व विकासशील देशों में कम हुई। सन् 1970 में नासिर के देहांत के बाद अनवर अल-सादात ने उनकी जगह ली। सादात ने मिस्र की विदेश नीति को एक नया मोड़ दिया। पहले तो उन्होंने 1973 में इजरायल से युद्ध के जरिये मिस्र की कुछ भूमि और साख वापस पाने की कोशिश की। इसमें कुछ सफलता मिलने के बाद उन्होंने मिस्र के संबंध सोवियत संघ (अब रूस) से कम करके अमेरिका से बढ़ाना तय किया। 1977 में उन्होंने अरब दुनिया और विश्व को तब चौंका दिया, जब उन्होंने इजरायल का दौरा किया। मुझे वह दिन व्यक्तिगत रूप से याद है, क्योंकि मैं उस जमाने में काहिरा में भारतीय दूतावास में नियुक्त था। इन घटनाक्रमों के बाद जहां अन्य अरब देश और कई इस्लामी मुल्कों ने मिस्र का बहिष्कार किया, वहीं दो साल बाद 1979 में अमेरिका की मध्यस्थता से मिस्र और इजरायल के संबंधों को सामान्य बनाने की राह भी तैयार हुई। इस कारणवश मिस्र और भारत के रास्ते जुदा होने शुरू हुए। यह वह दौर था, जब पश्चिम एशिया में भी बड़ा बदलाव आया, जिसके चलते सऊदी अरब व खाड़ी के देशों की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से बदल गई। ओपेक की स्थापना हुई और कच्चे तेल के दाम बढ़े। इन देशों को अपने निर्माण के लिए भारत की जरूरत महसूस हुई, और भारतीय व भारत की कंपनियां 1970 के दशक से ज्यादा से ज्यादा संख्या में वहां जाने लगीं। जाहिर है, इन सबके कारण भारत के हित स्वाभाविक तौर पर पश्चिम एशिया में मिस्र से कहीं ज्यादा सऊदी अरब, अमीरात, कुवैत व अन्य खाड़ी देशों के साथ जुड़े। निस्संदेह, गुटनिरपेक्ष आंदोलन एक प्रकार से चलता रहा, लेकिन पहले जो करीबी भारत और मिस्र में थी, वह कम हो गई। इसी का नतीजा है कि 1997 के बाद नरेंद्र मोदी ही पहले प्रधानमंत्री हैं, जो मिस्र की द्विपक्षीय यात्रा पर गए। अब कोविड महामारी और चीन की नीतियों के चलते विश्व-व्यवस्था में बड़ा बदलाव आ रहा है। बीते तीन दशकों से भारत की अर्थव्यवस्था का काफी विस्तार हुआ है, और हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का यह भी अनुमान है कि जल्द ही भारत की अर्थव्यवस्था तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगी। उद्योग के कई क्षेत्रों में भारत का लोहा अब दुनिया मानने लगी है। सूचना-प्रौद्योगिकी में तो हमने एक विशेष स्थान बनाया है। भारतीय कंपनियां अब दुनिया के विभिन्न भागों में निवेश कर रही हैं। चूंकि मिस्र को अपनी बढ़ती आबादी के कारण निवेश की दरकार है, इस कारण भी अल-सिसी सरकार ने भारत की ओर फिर से देखना शुरू किया है। हालांकि, वहां आज भी इख्वान अल-मुस्लमीन का काफी प्रभाव है, लेकिन न सिर्फ अल-सिसी की हुकूमत, बल्कि वहां की कई राष्ट्रवादी संस्थाएं भी इसके खिलाफ हैं।

भारत चूंकि करीब तीन दशकों से इस्लामी कट्टरवादी तंजीमों के निशाने पर है, इसलिए यह अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत और मिस्र की खुफिया सेवाओं व विदेश मंत्रालयों के बीच इन मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ होगा। उन पर सहमति बनी होगी कि इस कट्टरपंथ को कैसे रोका जाए और इस्लामी कट्टरपंथी गुटों पर कैसे लगाम लगाई जाए? जैसे गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जमाने में भारत व मिस्र ने औपनिवेशिक व्यवस्था के खिलाफ और विकासशील देशों की उन्नति के लिए आवाज उठाई थी, वैसा ही कुछ आने वाले दिनों में भी हो सकता है। आज भारत वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व करना चाहता है, और यहां के देश भी भारत की क्षमता को समझने लगे हैं, इसलिए उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने की एक चुनौती भारत और मिस्र के सामने है।

मिस्र का उत्तरी अफ्रीकी भूभाग में एक विशेष स्थान है। अरब और इस्लामी दुनिया में भी वह खास हैसियत रखता है। वह एक विकाशील देश भी है, और विकासशील देशों की प्रगति, जो भारत चाहता है, उस रास्ते पर वह हमारा सहयोग कर सकता है। दोनों देशों के रिश्तों में अब जो गहराई और तीव्रता आ रही है, उससे प्रतीत होता है कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति अल-सिसी निस्संदेह एक-दूसरे का सहयोग करना चाहते हैं। अब लग रहा है कि रिश्तों में दूरियों का दौर खत्म हो रहा है। दोनों देश, जो प्राचीन सभ्यताओं के भी प्रतीक हैं, एक-दूसरे के करीब आ रहे हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रावणी मेला में साकार होता है शिव का मंगलकारी स्वरूप

(लेखक - कुमार कृष्णन)

प्रत्येक वर्ष श्रावण के पावन महीने में लगनेवाले विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला अवधि में सुलतानगंज की महिमामयी उत्तर वाहिनी गंगा तट पर स्थित अजगैबीनाथ धाम से लेकर देवघर के द्वादश ज्योतिर्लिंग बाबा बैद्यनाथ धाम के करीब 110 किमी के विस्तार में मानों शिव का विराट् लोक मंगलकारी स्वरूप साकार हो उठता है और समस्त वातावरण कावंरियां शिव भक्तों के जयकारे से गूंजायमान रहता है। भगवान शंकर, जो देवों के देव महादेव कहलाते हैं, के बारे में धार्मिक मान्यता है कि श्रावण मास में जब समस्त देवी-देवतागण विश्राम पर चले जाते हैं, वहीं भगवान भूतनाथ गौरा पार्वती के साथ पृथ्वी-लोक पर विराजमान रहकर अपने भक्तों के कष्ट-कलेश हरते हैं और उनकी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। ऐसी लोक-आस्था है कि श्रावण मास के दिनों में भगवान शंकर बैधनाथ धाम और अजगैबीनाथ धाम में साक्षात् विद्यमान रहते हैं जहां उनकी अर्चना द्वादश ज्योतिर्लिंग और अजगैबीनाथ महादेव के रूप में होती है। यही कारण है कि औघड़दानी शिव के पूजन हेतु लाखों भक्त सुलतानगंज अजगैबीनाथ धाम और देवधर बैद्यनाथ की ओर उमड़ पड़ते हैं। सुलतानगंज में गंगा उत्तरवाहिनी है, जिसका विशेष महात्म्य हैं। भगवान शंकर को गंगा का जल अत्यंत प्रिय है। और, यदि यह जल उत्तरवाहिनी का हुआ तो अति उत्तम। पौराणिक कथा के अनुसार यहां ऋषि जह्नु का आश्रम था। जब भगीरथ गंगा को स्वर्ग से पृथ्वी पर ला रहे थे, तो कोलाहल से क्रोधित होकर ऋषि जहनु ने गंगा का आचमन कर पी लिया। किंतु बाद में भगीरथ के अनुनय विनय करने पर अपनी जंघा से गंगा को प्रवाहित किया जिसके कारण पतित पावनी गंगा जाह्नवी कहलायी। आनंद रामायण में वर्णित है कि भगवान श्रीराम ने सुलतानगंज की उत्तरवाहिनी गंगा के जल से बैद्यनाथ महादेव का जलभिषेक किया था।

फिर भला भक्तगण कैसे चूकते। और, चल पड़ा परिपाटी सुलतानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का जल कांवर में लेकर बाबा बैद्यनाथ पर अर्पित करने की। श्रावण के महीने में सुलतानगंज से देवघर तक करीब 100 कि0 मी0 के विस्तार में कांवरियां तीर्थयात्रियों के कावंरों में लचकती मचलती गंगा मानों बहती-सी जाती हैं- जैसे दो -दो गंगा बहती है श्रावण में- एक कांवरों में सवार होकर देवघर की ओर, और दूसरी अविरल वहती हुई बंगाल की खाड़ी की ओर। ऐसा चमत्कार तो सिर्फ भगवान भोले शंकर ही कर सकते हैं। इतना ही नहीं, श्रावण मास में बारिश की रिम-झिम फुहारो के साथ-साथ बसंत ऋतु की अलौकित छंटा भी अजगैबीनाथ सुलतानगंज और सम्पूर्ण कावंरियां-पथ पर देखने को मिलती है। मेले में लगी दूकानों में सुलतानगंज में कावंरों में लगे प्लास्टिक के लाल, पीले, हरे, गुलाबी खिले-खिले फूल अनुपम दृश्य उपस्थित करते हैं- लगता है मानों सावन में बसंत का आगमन हो गया हैं। ऐसा तो सिर्फ शिव की कृपा से ही संभव है। श्रावण मास में सुलतानगंज से बैद्यानाथ की कांवर-यात्रा मात्र एक धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, वरन् इसके पीछे हमारी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक मान्यताएं भी छिपी हुई हैं। यदि हम पौराणिक संदर्भ लें तो वह कावंड़-यात्रा आर्य और अनार्य संस्कृतियों के मेल और संगम को दर्शाता है। कहां आर्य मान्यताओं की देवी गंगा और कहां अनार्यो के देव महादेव पर गंगा-जल का पर अर्पण आर्य और अनार्य संस्कृतियों के काल क्रम में हुए समागम को दर्शाता है। इसी तरह आर्यो के देव श्रीराम के द्वारा सुलतानगंज की उत्तरवाहिनी गंगा को कांवर में लेकर बैद्यनाथ महादेव का पूजन इसी भाव को इंगित करता हैं। सुलतानगंज से देवघर की कांवर-यात्रा मात्र एक धार्मिक यात्रा ही नहीं वरन् शिव और प्रकृति के साहचर्य की यात्रा है। कांवर-मार्ग में हरे-भरे खेत, पर्वत, पहाड़, घने जंगल, नदी, झरना, विस्तृत मैदान-सभी कुछ पड़ते हैं। रास्ते में जब वारिश की बौछारें चलती हैं तो बोल बम का निनाद करते हुए कावंरिया भक्तगण मानों भगवान शंकर के साथ एकाकार हो उठते हैं। देवघर में जल अर्पण करके लौटते समय न सिर्फ धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से अपने को परिपूर्ण पाता है, वरन् प्रकृति के सीधे साहचर्य में रहने के कारण वह अपने अंदर एक नयी उर्जा और उत्फूल्लता महसूस करता है। आज के प्रदूषण के युग में अभी भी प्रकृति के पास मनुष्य को देने के लिये बहुत कुछ है- यह संदेश श्रावणी मेला की कावंर यात्रा देता है जो इसमें शामिल होकर ही महसूस किया जा सकता है। जल शांति, स्वच्छता और जीवन का प्रतीक है-शीतलता से भरा हुआ। भगवान शंकर पर जल का अर्पण हमें शांति और शीतलता का ही तो संदेश देता प्रतीत होता है। इस धार्मिक उन्माद के युग में आज निहित स्वार्थी तत्वों ने आडंबर और वृहत् अनुष्ठानों की आड़ लेकर धर्म को धन-बल प्रदर्शन का साधन बना लिया है। वहीं श्रावण में शिव यह संदेश देते हैं कि मुझपर सिर्फ गंगा जल और बेलपत्र चढ़ाओ, और वरदान में मुझसे जीवन की सारी खुशियां ले जाओ। आज के मार-काट के दौर में भी बैद्यनाथ-धाम मंदिर से सटी दूकानों में हमारे मुसलमान भाई सुहाग की चूड़िया बेचते हैं बाबा के रंग में रंगकर। आज के इस अपहरण-अपराध के दौर में भी देवघर के कैदी प्रतिदिन बाबा बैद्यनाथ पर अर्पित होनेवाले फूलों के श्रृगांर बनाते हैं और जेल से बाबा मंदिर तक बम भोले का जयकारा करते हुए प्रतिदिन आते हैं। कांवर-मार्ग पर कोई छोटा-बड़ा नहीं-सिर्फ बम है-बड़ा बम, छोटा बम, मोटा बम, माता बम,! न अमीर-न गरीब, न उच-न नीच! बस बम शंकर के भक्त बम! बोल बम। शिव का स्वरूप विराट् है दृ इसका कोई आर-पार नहीं । और उनका यह विराट् स्वरूप मानों श्रावणी मेला में साकार हो जाता है।

श्रावणी मेले के दिन करीब आते ही शिवभक्तों के मन में बाबा के दर्शन की उमंगें हिलोरे लेने लगी हैं। आषाढ़ पूर्णिमा के अगले दिन से ही यह मेला प्रारंभ हो जाता है। जलाभिषेक के लिए देशभर से शिवभक्तों की भीड़ उमड़ती है।वैसे कुछ वर्ष पहले तक सोमवार को जल चढ़ाने की जो होड़ रहती थी, वह अब उतनी नहीं है। सवा महीने तक चलने वाले इस मेले में अब हर रोज कांबडियों की भीड़ लाख की संख्या पार कर जाती है। इस अर्थ में यह किसी महाकुंभ से कम नहीं है। झारखंड के देवघर में लगने वाले इस मेले का सीधा सरोकार बिहार के सुलतानगंज से है। यहीं गंगा नदी से जल लेने के बाद बोल बम के जयकारे के साथ कांवड़िये नंगे पांव देवघर की यात्रा आरंभ करते हैं। आज के बदले परिवेश में संतोषम परम सुखम जैसी अवधारणा ध्वस्त हो गई है। सुख-सुविधा के प्रति सबकी लालसा बढ़ी है। इसे हासिल करने के उपायों में देवी-देवताओं की पूर्जा-अर्चना को भी महत्व प्राप्त हुआ है। आस्थावान लोगों की संख्या में जबर्दस्त बढ़ोत्तरी के पीछे मनोकामनापूर्ति की यही लिप्सा काम कर रही है। ऐसे में देवघर स्थित शिवलिंग का अपना खास महत्व है क्योंकि शास्त्रों में इसे मनोकामना लिंग कहा गया है। यह देश के 12 अतिविशिष्ट ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। यह वैद्यनाथ धाम के नाम से भी जाना जाता है। दरभंगा कमतौल के मूल निवासी अनिल ठाकुर पिछले 25 वर्षों से कांवड़ लेकर देवघर जाते हैं और इस बार भी वह अभी से तैयारी में जुट गए हैं और ऐसे शिवभक्तों की संख्या हजारों में है जो बीस-पचीस वर्षों से हर वर्ष कांवड़ लेकर बाबा के दरबार पहुँचते हैं। ऐसे शिवभक्त अपनी तमाम कामयाबी का श्रेय शिव को देते हैं।

दलबदल के चक्रव्यूह में फंसकर ठगी जा रही है आम जनता

(लेखक-सनत जैन)

भारतीय राजनीति में दलबदल करके सत्ता तक पहुंचने का खेल, बड़े पैमाने पर पिछले कुछ वर्षों से खेला जा रहा है। राजनीति के दलदल में नेताओं द्वारा अपने मन की इच्छा, महत्वकांछा और आकांक्षाओं को तो पूरा कर लिया जाता है।लेकिन जिस जनता ने अपना वोट देकर नेताजी कुछ संसद और विधानसभा के लिए चुना है।वह बार-बार दल बदलते हैं। अपने दिए गए वायदों को भूल जाते हैं। एक दल,दूसरा दल, तीसरे दल में जाकर अपनी आर्थिक और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को सांसद और विधायक पूरा कर लेते हैं। लेकिन जिस जनता ने उन्हें चुना है। उसके हित और उसके हालात ज्यों की त्यों बने हुये हैं। आश्चर्य तो तब होता है, कि बिना किसी शर्म और झिझक के वही नेता फिर मतदाताओं के पास वोट मांगने के लिए पहुंच जाते हैं। धनबल और बाहुबल की ताकत के सामने वह निर्बल मतदाता एक बार फिर उन्हें अपना नेता चुनने के लिए विवश हो जाता है। भाग्य से यही जनता की नियति है। पिछले वर्षों में बड़े पैमाने पर दल बदल हो रहे हैं। जनता जिताती किसी राजनीतिक दल को है, और सरकार दूसरे की बन जाती हैं। सांसद और विधायक करोड़ों रुपए में बिक जाते हैं। जो विधायक और सांसद दल- बदल करके दूसरे दलों में जाते हैं। उनका राजनैतिक एवं सामाजिक विचारधारा अथवा पार्टी छोड़ने का कोई कारण नहीं होता है। जिस पार्टी में जाकर वह शामिल हो जाते हैं। उससे उनका दूर-दूर तक का वास्ता भी नहीं होता है। नेताओं के दल बदलने से मतदाताओं का कोई हित नहीं होता है। ताजी के हित जरूर पूरे हो जाते हैं। निहत्ती असंगठित जनता, नेताओं द्वारा दिखाए गए सपने मैं ही खोई रहती है। ना उसके हालात बदलते हैं, ना उसके भाग्य बदलते हैं। जिन नेताओं के ऊपर करोड़ों अरबों रुपए के भ्रष्टाचार के आरोप होते हैं।वही विधायक और सांसद सबसे ज्यादा दलबदल कर रहे हैं। पद पाने के लिए उनकी जन बल की क्रय शक्ति है। धनबल और बाहुबल के जरिए वह अपने अपराधों को धोकर लोकतंत्र के इस मंदिर में, साफ-सुथरे होकर मंत्री-संत्री बन जाते हैं।भ्रष्टाचार का चक्रव्यूह तोड़ने के नाम पर केंद्र में मोदी सरकार बनी थी। 2014 में जनता को लग रहा था कि उनका भाग्य अब बदल जाएगा। उन्हें काला धन उन्हें वापस लाना था। हर गरीब भारतवासी को 15-15 लाख रुपए देने थे। महंगाई कम करना थी। पेट्रोल और रसोई गैस की कीमतों को कम करना था। बेरोजगारों को रोजगार देना था। जनता को बहुत सारे सपने दिखाए गए थे। बाद में यह वायदे जुमले बनकर रह गए। नेताओं के वायदे भी ठीक फेयर एंड लवली क्रीम की तरह हो गए हैं। जो गोरा बनाने का दावा करते है, लेकिन दशकों तकजिस तरह फेयर एंड लवली लगाने के बाद भी कोई गोरा नहीं होता है। उसी तरह के वायदे नेताओं के होते हैं। उसके बाद भी जनता को नेताओं के विश्वास पर भरोसा करने के लिए विवश है। सत्ता और भ्रष्टाचार के इस चक्रव्यूह में फंसकर जनता प्रताड़ित हो रही है। दिनों दिन महंगाई, टेक्स और कर्ज के बोझ में जब कर जनता कराए रही है। लेकिन लोकतंत्र के चक्रव्यूह में फंस कर उससे बाहर निकलने का रास्ता आम जनता के पास नहीं है। अत- चक्रव्यूह में फंसकर जनता बाहर नहीं निकल पा रही है। नेताओं के बारे में क्या कहें, अब तो भगवान के दर्शन भी बिना दक्षिणा चढ़ाएं दर्शन करना आम जनता के लिए मुश्किल हो गया है। बिना दक्षिणा के यदि कोई दर्शन करना चाहता है, तो वह उसके भाग्य पर निर्भर है,दर्शन होंगे या नहीं। भगवान भी राजा महाराजाओं की तरह, सोने-चांदी के सिंहासन पर बैठ गए हैं।उनके ऊपर चांदी के छत्र लगे हुए हैं।भगवान की मूर्ति,सोने चांदी हीरे जवाहरात के आभूषण और रेशमी कपड़े के साथ भक्तों को अपना वैभव दिखा रही है। बड़े-बड़े धनी मानी व्यक्ति ही भगवान के इस वैभव का दर्शन कर पा रहे हैं। आम जनता को दर्शन भी सुलभ नहीं रहा। आम आदमी अपनी रोजाना की जरूरतों को लेकर परेशान हैं। उसकी चिंता से उसे मुक्ति ही नहीं मिलती है। जिनके ऊपर विश्वास करके अपना प्रतिनिधि चुनता है। वह अपने निजी हितों के लिए 1 पार्टी छोड़कर दूसरे और दूसरी को छोड़कर तीसरी पार्टी में चला जाता है। नता जहां खड़ी थी, वही खड़ी रह जाती है। सरकारों को बनाने और बिगाड़ने की परंपरा भारतीय राजनीति में हमेशा से रही है।

आरबीआई क्रेडिट और कार्ड के नियम बदलेगा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने क्रेडिट कार्ड और डेबिट नियमों को बदलने जा रहा है। बैंक ने इसकी जानकारी एक सर्कुलर के द्वारा दी है। आरबीआई द्वारा लिए गए फैसलों के बाद डेबिट, प्रीपेड कार्ड के नियमों को भी बदला जा सकता है। इसको लेकर आरबीआई ने कहा कि किसी भी कार्ड को कोई खास नेटवर्क के लिए नहीं बल्कि सभी नेटवर्क के लिए इस्तेमाल करने की छूट होनी चाहिए। आरबीआई ने एक सर्कुलर जारी किया है। इस सर्कुलर में बैंक ने कहा कि क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, प्रीपेड कार्ड का इस्तेमाल सभी नेटवर्क के लिये किया जाना चाहिए। बैंक ने इसके लिए लोगों से राय भी मांगी है। कार्ड द्वारा आराम से आप किसी भी मर्चेंट को पेमेंट कर सकते हैं। कार्ड नेटवर्क की वजह से मर्चेंट (दुकानदार) और कार्डधारक के बीच लेनदेन सुविधाजनक हो जाता है। कार्ड नेटवर्क एक तरह का इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराता है। इसके लिए कार्ड नेटवर्क फीस भी लेती है। अगर कार्ड नेटवर्क कंपनी की बात करते हैं तो चार मुख्य क्रेडिट कार्ड नेटवर्क मास्टर कार्ड, वीज़ा, अमेरिकन एक्सप्रेस और डिस्कवर हैं। इसमें से दो कंपनी कार्ड जारीकर्ता भी हैं। ये एमेक्स और डिस्कवर है। जब भी आप कोई कार्ड से पेमेंट करते हैं तो कार्ड नेटवर्क द्वारा यह तय किया जाता है कि क्रेडिट कार्ड द्वारा कहां कहां पेमेंट हो सकती है। आप अगर कभी दो अलग क्रेडिट कार्ड की सुविधाएं देखें तो आप पाएंगे कि एक कार्ड पर जो सुविधा है वो सुविधा दूसरी कार्ड पर नहीं है। इस वजह से केंद्रीय बैंक क्रेडिट कार्ड पेमेंट को लेकर ये नियम लाने वाला है।

जीरा 700 के पार, इलायची और सौंफ में भी 100 रुपए का उछाल

कानपुर। गुजरात में आए बिपारजॉय और टर्की और सीरिया से आवक न आने की वजह से जीरे के दाम आसमान छूने लगे हैं। फुटकर बाजार में जीरा 715 रुपए किलो तक पहुंच गया है। थोक बाजार में जीरा 650 रुपए किलो तक बिक रहा हैं। वहीं बादाम का रेट 650 से 700 रुपए प्रति किलो है। एक साल में जीरे की कीमत 150 फीसदी तक बढ़ गई है। यही नहीं बड़ी इलायची और सौंफ में भी 100 रुपए प्रति किलो तक उछाल आई है। काली मिर्च 15 दिन में 50 रुपए प्रति किलो महंगी हो गई है। व्यापारी इन मसाले में आ रही तेजी की वजह समझ नहीं पा रहे हैं। पिछले साल जून में 285 रुपए तक बिका जीरा इस बार 715 रुपए किलो पहुंच गया है। 15 दिन में ही 300 रुपए तक बढ़ गए हैं। दाम बढ़ने की एक वजह बिपरजॉय में आए तूफान के बाद जीरे की आवक कम होना भी मानी जा रही है। शहर की मंडी में रोज 2000 बोरी जीरा आता है। इस समय 1200 बोरी ही आ रहा है। टर्की और सीरिया का जीरा आने में एक महीना है। यह माल आने से थोड़ी राहत मिलेगी। गुजरात की फसल आने में सात माह है।

साल की पहली छमाही में विलय, अधिग्रहण सौदों की कीमत गिरी

मुंबई। वर्ष 2023 के पहले छह महीनों में विलय एवं अधिग्रहण सौदों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बावजूद इन सौदों का मूल्य 75 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 32.6 अरब डॉलर रह गया। वित्तीय बाजारों के आंकड़े देने वाली कंपनी रिफाइनिटिव ने कहा कि भारतीय कंपनी जगत में जनवरी-जून 2023 के दौरान विलय एवं अधिग्रहण के 1,400 से भी अधिक सौदे किए गए। यह एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 5.2 प्रतिशत अधिक और अब तक का रिकॉर्ड है। हालांकि इन सौदों के कुल मूल्य के लिहाज से 75 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है। कैलेंडर वर्ष 2023 की पहली छमाही में हुए विलय एवं अधिग्रहण सौदों का मूल्य 32.6 अरब डॉलर रहा जबकि साल भर पहले की समान अवधि में एचडीएफसी बैंक में एचडीएफसी लिमिटेड के विलय की घोषणा से यह मूल्य बहुत अधिक था।विलय एवं अधिग्रहण सौदों की संख्या बढ़ने के पीछे मध्यम आकार के सौदों में आई तेजी की अहम भूमिका रही है। हालांकि इस अवधि में पांच अरब डॉलर से अधिक मूल्य के सौदों का अभाव रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, साल की पहली तिमाही में एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य के किसी भी सौदे की घोषणा नहीं की गई। दूसरी तिमाही में भी एक अरब डॉलर के दायरे में आने वाले चार सौदे ही हुए। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का आईडीएफसी में प्रस्तावित विलय साल के बाकी समय में इस परिदृश्य को मजबूती देगा।

पाबंदियों के जवाब में भारत भी लगा सकता है व्यापार पर रोकः केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली।

केंद्रीय बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने कहा कि कुछ देशों द्वारा भारत के खिलाफ लगाए गए पाबंदियों के जवाब में भारत भी उन पर व्यापार प्रतिबंध लगा सकता है। सिंह हाल ही में पहले हरित हाइड्रोजन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2023 को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत में हरित हाइड्रोजन विनिर्माण में निवेश करने की इच्छुक कंपनियों के लिए बहुत संभावना है क्योंकि इस्पात, सीमेंट, परिवहन जैसे कई क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा स्रोत की मांग होगी। द्रीय मंत्री ने विदेशी राजनयिकों और विभिन्न देशों के उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि पूरी दुनिया हमारे साथ भागीदार बने और मुझे लगता है कि यही समाधान है। समाधान बाधाएं खड़ी करना नहीं है जो कुछ देशों ने करना शुरू कर दिया है। यदि आप बाधाएं खड़ी करते हैं तो हम भी पाबंदियां लगा सकते हैं। सिंह ने बिना किसी देश का नाम लिए कहा कि ऐसे देशों के लिए उनका यही संदेश होगा कि भारत भी इसी तरह की बाधाएं खड़ी कर सकता है, जिससे उस देश को दुनिया के सबसे बड़े बाजार भारतीय ऊर्जा बाजार में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार की बाधाएं मैं देख रहा हूं, वे हास्यास्पद हैं। एक क्षेत्र का कहना है कि नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन और इलेक्ट्रोलाइज़र के स्थान के बीच की दूरी 500 किलोमीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए। सिंह का बयान ऐसे समय आया है जब भारत हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और निर्यात का वैश्विक केंद्र बनने का लक्ष्य बना रहा है। केंद्र ने जनवरी 2023 में भारत को हरित हाइड्रोजन के निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाने के उद्देश्य से 19,744 करोड़ रुपए के राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी थी। मिशन का लक्ष्य 2030 तक प्रति वर्ष कम से कम 50 लाख टन की उत्पादन क्षमता के विकास को बढ़ावा देना है।

अब सस्ते में कर सकेंगे इंटरनेट का उपयोग

मुंबई।

देश के प्रमुख कारोबारी मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो ने एक बार फिर से धमाका कर दिया है। इस बार रिलायंस की ओर से लोगों को 4जी इंटरनेट और सस्ते दाम में मुहैया करवाने की कोशिश की गई है। दरअसल, भारत में प्रमुख दूरसंचार प्रदाता रिलायंस जियो ने हाल ही में जियो भारत फोन की घोषणा की है। 999 रुपए की मामूली कीमत पर यह फोन 4जी आधारित फीचर फोन भारत में सबसे किफायती इंटरनेट आधारिक फोन है। अभी भी 2जी फीचर फोन का उपयोग करने वाले लगभग 250 मिलियन मोबाइल ग्राहकों को टारगेट करते हुए जियो भारत फोन भारत के डिजिटल विभाजन को पाटने का एक प्रयास है। इन उपयोगकर्ताओं के पास वर्तमान में इंटरनेट तक पहुंच नहीं है जो आज की डिजिटल दुनिया में एक महत्वपूर्ण उपकरण है। जियो भारत फोन इंटरनेट पहुंच को और विस्तार देने का काम करेगा, जिससे इन उपयोगकर्ताओं की आर्थिक संभावनाएं बढ़ेंगी।

बस एक लक्ष्य पूरा हो जाए तो 15 रुपए लीटर बिकेगा पेट्रोल गडकरी

नई दिल्ली।

अभी 100 रुपए लीटर के आसपास बिकने वाला पेट्रोल 15 रुपये लीटर मिल सकता है. अगर सरकार का एक लक्ष्य पूरा हो जाए तो यह सपना भी सच हो सकता है। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने यह दावा करते हुए कहा कि अगर 60 फीसदी एथनॉल और 40 फीसदी इलेक्ट्रिसिटी का लक्ष्य पूरा हो जाए तो पेट्रोल की कीमत गिरकर 15 रुपये लीटर पहुंच जाएगी। साथ ही प्रदूषण भी काफी कम हो जाएगा। गडकरी ने कहा कि अभी देश के किसानों को अन्नदाता कहा जाता है, लेकिन हमारी सरकार उन्हें ऊर्जादाता बनाने की योजना पर काम कर रही है। किसानों के उगाए गन्ने व अन्य फसलों से एथनॉल बनाया जा रहा है। अब तक पेट्रोल में 20 फीसदी एथनॉल मिलाने का लक्ष्य पूरा हो चुका है। इसे हम धीरे-धीरे बढ़ाते जाएंगे जिसका फायदा किसानों को ही मिलेगा। इस दौरान गडकरी ने राजस्थान के प्रतापगढ़ मे 5600 करोड़ रुपये के 11 हाईवे प्रोजेक्ट को शुरू करने का ऐलान किया। इसमें से 219 किलोमीटर के 4 नेशनल हाईवे बनाने में 3,775 करोड़ का खर्चा आएगा। फतेहनगर के पास नेशनल हाईवे 162ए पर 4 लेन का एक रेलवे ओवरब्रिज भी बनाया जा रहा है। इससे रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रैफिक जाम की समस्या खत्म हो जाएगी। इसके अलावा चंबल नदी पर हाई-लेवल ब्रिज का भी उदघाटन किया गया है। इससे राजस्थान के करौली से मध्यप्रदेश के सबलगढ़ तक कनेक्टिविटी बन जाएगी। अभी तक इस रास्ते को नदी मार्ग से पार किया गया जाता था।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 340 अंक, निफ्टी 99 ऊपर आया

मुम्बई।

शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से हासिल मिलेजुले संकेतों के बीच भी लिवाली हावी होने से बाजार में ये उछाल आया है। युबह बाजार की शुरुआत धीमी रही और मुनाफावसूली के कारण भी उसकी तेजी पर अंकुश लगा रहा। इसके बाद भी बाजार रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 339.60 अंक यानी 0.52 फीसदी बढ़कर 65,785.64 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई भी 99 अंकों की बढ़त के साथ ही अंत में 19,497.30 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में 0.4 फीसदी की बढ़त आई।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 21 शेयर लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर सबसे अधिक 4.97 फीसदी तक ऊपर आये। इसके अलावा पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स, रिलायंस और एनटीपीसी के शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 9 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। मारुति, एचसीएल टेक, बजाज फाइनैंस, इंडसइंड बैंक और टाटा स्टील सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। सबसे ज्यादा नुकसान मारुति के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 1.40 फीसदी तक गिरे। बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण आज सुबह के कारोबार में 301.10 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा। वहीं गत कारोबारी सत्र में बाजार मिलाजुला रुख देखा गया था।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 52.48 अंक की गिरावट के साथ 65,393.56 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी 12.80 अंक की गिरावट के साथ 19,385.70 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। इसके साथ ही प्री-ओपनिंग में भी बाजार की शुरुआत सपाट हुई थी। सेंसेक्स 181.92 अंक गिरकर 65,264.12 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 3.00 अंक फीसलकर 19,395.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आज अमेरिकी और एशियाई बाजारों में गिरावट का माहौल रहा।

देश के छह प्रमुख शहरों में ऑफिस स्पेस की मांग बढ़ी

अप्रैल-जून की तिमाही के दौरान औसत कार्यालय किराया 95 रुपए प्रति वर्ग फुट पर स्थिर रहा

नई दिल्ली।

देश के छह प्रमुख शहरों में अप्रैल-जून की तिमाही के दौरान औसत कार्यालय किराया 95 रुपये प्रति वर्ग फुट पर स्थिर रहा। इस दौरान नई आपूर्ति जहां 32 प्रतिशत बढ़ी है वहीं मांग में मात्र दो प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। रियल एस्टेट सलाहकार कोलियर्स इंडिया के तिमाही आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। कोलियर्स की यह रिपोर्ट छह प्रमुख कार्यालय बाजारों बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद और पुणे पर आधारित है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल-जून की तिमाही में शीर्ष छह शहरों में 1.46 करोड़ वर्ग फुट कार्यालय स्थल पट्टे पर दिया गया। यह एक साल पहले की समान अवधि के 1.43 करोड़ वर्ग फुट के आंकड़े से दो प्रतिशत अधिक है। मुख्य रूप से पट्टे पर कार्यालय स्थल की मांग में प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षेत्र का योगदान रहा। चेन्नई में कार्यालय स्थलों की मांग तीन गुना हो गई और इसने दिल्ली-एनसीआर और मुंबई को पीछे छोड़ दिया। नए कार्यालय स्थलों की आपूर्ति इस दौरान 32 प्रतिशत बढ़कर 1.24 करोड़ वर्ग फुट हो गई। एक साल पहले इन छह शहरों में आपूर्ति 94 लाख वर्ग फुट रही थी। इन छह शहरों में कार्यालय स्थलों का औसत मासिक किराया 95 रुपए प्रति वर्ग फुट पर स्थिर रहा। कोलियर्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि तिमाही के दौरान मांग में जहां मामूली सुधार हुआ, वहीं आपूर्ति 32 प्रतिशत बढ़ गई। इस वजह से किराया स्थिर रहा। उन्होंने कहा` कि आगामी तिमाहियों में मांग में सुधार से साल के अंत तक किराया बढ़ सकता है। शहरों के आधार पर देखा जाए, तो बेंगलुरु में अप्रैल-जून में कार्यालय स्थल की मांग 22 प्रतिशत घटकर 34 लाख वर्ग फुट पर आ गई। एक साल पहले समान अवधि में मांग 44 लाख वर्ग फुट थी। हालांकि, बेंगलुरु में आपूर्ति दोगुना से अधिक होकर 16 लाख वर्ग फुट से 38 लाख वर्ग फुट पर पहुंच गई। बेंगलुरु में कार्यालय स्थल का किराया एक प्रतिशत बढ़कर 91.9 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गया। चेन्नई में कार्यालय स्थल की मांग तीन गुना होकर 33 लाख वर्ग फुट हो गई। एक साल पहले समान अवधि में यह 11 लाख वर्ग फुट थी। दिल्ली-एनसीआर में कार्यालय स्थल की मांग 11 प्रतिशत बढ़कर 28 लाख से 31 लाख वर्ग फुट हो गई। वहीं नई आपूर्ति 43 प्रतिशत बढ़कर 21 लाख वर्ग फुट रही। हैदराबाद में मांग में 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 15 लाख वर्ग फुट से बढ़कर 19 लाख वर्ग फुट पर पहुंच गई. वहीं नई आपूर्ति 19 प्रतिशत घटकर 38 लाख वर्ग फुट से 30 लाख वर्ग फुट पर आ गई।

वित्तीय साक्षरता से मिलती है आर्थिक संकट से उबरने में मदद : शुक्ला

शिमला। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने कहा कि वित्तीय साक्षर होने से किसी को आर्थिक समस्याओं का सामना करने की बेहतर तैयारी करने की क्षमता होती है, जिससे व्यक्तिगत आर्थिक संकट की संभावनाएं कम हो जाती हैं। उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के तत्वावधान में राज्य स्तरीय 'वित्तीय साक्षरता पर अखिल भारतीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में यह बात कही। यहां एक जारी बयान में उन्होंने कहा कि वित्तीय साक्षरता एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल है क्योंकि यह कमाई, बचत, खर्च, निवेश और ऋण की अवधारणाओं को समझने की नींव रखता है। इससे समग्र वित्तीय कल्याण के लिए वित्त के बारे में ठोस निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है।राज्यपाल ने कहा कि यह एक सुरक्षित बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से ऑनलाइन धोखाधड़ी से भी बचाता है। कम उम्र से ही बच्चों में पैसे बचाने की आदत डालने से उन्हें वित्तीय रूप से जिम्मेदार वयस्क बनने में मदद मिलती है। प्रतिभागियों को बधाई देते हुए शुक्ला ने कहा कि छात्र वित्तीय समावेश के संदेश को जन-जन तक फैलाने के लिए राजदूत के रूप में कार्य करेंगे।

गुरुग्राम में एक व्यक्ति मारुति सूजूकी के मल्टीपर्पज वाहन इनविक्टो को देखते हुए।

बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप पहली बार 300 लाख करोड़ के पार

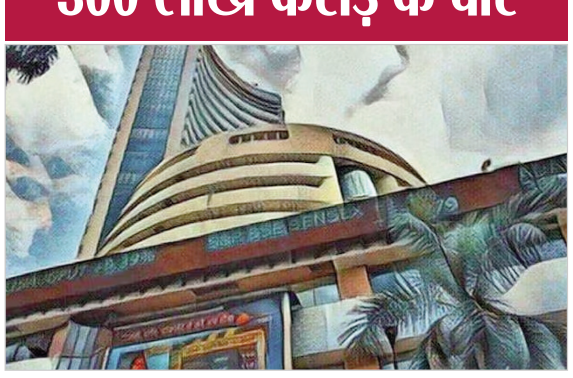

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में रिकॉर्ड तेजी का ही परिणाम है कि बीएसई पर बुधवार को नया रिकॉर्ड बन गया। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट बुधवार को पहली बार 300 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया।

इसके साथ शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति आज करीब 49,000 करोड़ रुपए बढ़ गई। इस बीच सेंसेक्स में पिछले 5 दिनों से जारी तेजी का सिलसिला बुधवार थम गया। 5 जुलाई को शेयर बाजार में सपाट कारोबार देखने को मिला है। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 33 अंकों की गिरावट के साथ 65,446 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी में 9 अंकों की तेजी रही, यह 19,398 के स्तर पर बंद हुआ।

सबसे अधिक तेजी एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल, ऑयल एंड गैस शेयरों में देखने को मिली। वहीं दूसरी ओर बैंकिंग और फाइनेंशियल शेयरों में गिरावट का रुख रहा। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन आज 5 जुलाई को बढ़कर 300.06 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन 298.57 लाख करोड़ रुपए था।

इस तरह बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप करीब 49 हजार करोड़ रुपए बढ़ा है। इसका मतलब है कि निवेशकों की संपत्ति में करीब 49 हजार करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है।

दुनिया की सबसे महंगी बाइक का नाम एडिशन फाइटर

-लॉन्च हुई तो लोगों की लग गई थी लाइन

नई दिल्ली।

वर्तमान में दुनिया की सबसे महंगी बाइक का नाम है नीमन मार्कस लिमिटेड एडिशन फाइटर। इस बाइक को बनाया है नीमन मार्कस कंपनी ने जो एक लग्जरी ब्रांड स्टोर है। खास बात ये है कि इस बाइक की केवल 45 यूनिट्स की कस्टमाइज की गई हैं और इसे नीलामी के जरिए बेचा गया। दरअसल दुनिया भर के रईसों के बीच पॉपुलर नीमन मार्कस ने जब मोटरसाइकिल बनाने की घोषणा की और इसकी नीलामी का अयोजन किया गया तो इसे खरीदने की होड़ मच गई। दुनिया के चुनिंदा रईसों ने इसके लिए बोली लगाई। नीमन मार्कस लिमिटेड एडिशन फाइटर का एक पीस 11 मिलियन डॉलर यानि करीब 91 करोड़ रुपये में नीलाम हुआ। खास बात ये है कि ये बोली 1.10 लाख डॉलर से शुरू की गई थी और 100 गुना ज्यादा कीमत पर नीलाम हुई। मोटरसाइकिल की पूरी बॉडी और इंजन हैंडमेड है और इसे टाइटेनियम, एल्यूमिनियम और कार्बन फाइबर से बनाया गया है। इसका शानदार डिजाइन और जबर्दस्त इंजन को देखते हुए ऑटोमोबाइल एक्सपर्ट्स ने इसे इवॉल्यूशन ऑफ द मशीन की संज्ञा दी गई। इस मोटरसाइकिल की खास बात ये भी रही कि इतनी पावर और पहली बार नीमन की ओर से बनाई गई बाइक को रोड लीगल भी करार दिया गया। मोटरसाइकिल को एक विंटेज फाइटर जेट के डिजाइन से इंस्पायर होकर बनाया गया है। इसमें कंपनी ने 2.0 लीटर का वी ट्विन पेट्रोल इंजन दिया है। ये एयर कूल्ड इंजन है और मोटरसाइकिल को 300 किलोमीटर प्रति घंटे की टॉप स्पीड पर चुटकियों में पहुंचा सकता है। ये इंजन 131 बीएचपी की रॉ पावर जनरेट करता है। नीमन की इस खास मोटरसाइकिल को नाम भी कुछ हटकर ही दिया गया।

चिकित्सा उपकरणों पर एक अक्टूबर से लागू होगा नियमनः डीसीजीआई

हैदराबाद।

भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) राजीव सिंह रघुवंशी ने कहा कि एक अक्टूबर से चिकित्सा उपकरणों की चारों श्रेणियां नियमन के दायरे में आ जाएंगी जिससे गुणवत्ता नियंत्रण में मदद मिलेगी। औषधि निर्यात प्रोत्साहन परिषद की तरफ से `पिछले` दिनों यहां आयोजित एक प्रदर्शनी में शामिल होने आए रघुवंशी ने संवाददाताओं से कहा कि सभी तरह के चिकित्सा उपकरणों के नियमन दायरे में आने से इनके उत्पादन में गुणवत्ता को सुनिश्चित किया जा सकेगा। फिलहाल केवल दो श्रेणियों (ए एवं बी) के चिकित्सा उपकरण ही नियमन के दायरे में रखे गए हैं। वहीं सी एवं डी श्रेणियों के चिकित्सा उपकरण नियमन के बाहर रखे गए हैं। रघुवंशी ने कहा` कि चिकित्सा उपकरणों को हम चार श्रेणियों में विभाजित कर रहे हैं। इनमें से दो श्रेणियां तो पहले से ही अधिसूचित हैं। बची हुई दो श्रेणियां भी एक अक्टूबर से नियमन के दायरे में आ जाएंगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चिकित्सा उपकरणों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए 26 अप्रैल को राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति, 2023 को मंजूरी दी थी। वर्ष 2020 में भारत का

चिकित्सा उपकरण बाजार करीब 11 अरब डॉलर था और इसकी वैश्विक बाजार में हिस्सेदारी 1.5 प्रतिशत होने का अनुमान है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्या खत्म हो गया विराट-रोहित का टी20 करियर! नए चीफ सिलेक्टर के फैसले से मिले कई बड़े संकेत

बेंगलुरू (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 मैचों के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है। इसमें हार्दिक पांड्या को कप्तानी सौंपी गई है। वहीं, सूर्यकुमार यादव को उपकप्तान बनाया गया है। हालांकि, भारत के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली और नियमित वनडे और टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा को टी20 से बाहर कर दिया है। इसके बाद से इस बात की चर्चा जबरदस्त तरीके से हो रही है कि क्या टी20 में विराट कोहली और रोहित शर्मा का करियर खत्म हो गया है? वेस्टइंडीज के लिए चुनी गई टीम में कई नए खिलाड़ियों को मौका दिया गया है जिन्होंने इस साल के आईपीएल में जबरदस्त फॉर्म दिखाया था। टीम में कई नए चेहरे भी शामिल हुए हैं।

2024 की हो रही तैयारी

अगला टी20 विश्व कप 2024 में होना है। बीसीसीआई 2024 के हिसाब से अपनी तैयारियों पर फोकस कर रहा है। यही कारण है कि कप्तानी की जिम्मेदारी हार्दिक पांड्या को सौंप दी गई है। वहीं, टीम में यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा और मुकेश कुमार जैसे नए चेहरों को शामिल किया गया है। खास बात यह भी है कि टीम में संजू सैमसन की वापसी हुई है। हालांकि, टीम से राहुल त्रिपाठी, दीपक हुडा, पृथ्वी शॉ, जितेश शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, शिवम मावी जैसे खिलाड़ियों को बाहर किया गया है। इन्हें जनवरी-फरवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के लिए चुना गया था। वहीं, वेस्टइंडीज के खिलाफ रिंकू सिंह का मौका नहीं दिया गया है जिसको लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। अजित अगरकर ने हाल में ही चयन समिती की जिम्मेदारी संभाली है।

रोहित-कोहली का टी20 करियर खत्म

रोहित शर्मा और विराट कोहली पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में हुए टी-20 विश्वकप में खेलते हुए नजर आए थे। हालांकि, उसके बाद उन्हें किसी भी इंटरनेशनल टी20 सीरीज में मौका नहीं दिया गया है। ऐसे में सवाल साफ तौर पर उठ रहे हैं कि क्या रोहित और कोहली को टी-20 से बाहर रखने का फैसला कर लिया गया है। बीसीसीआई उन्हें बाहर रखने को लेकर कोई साफ जानकारी नहीं दे रहा है। इतना ही नहीं, भुवनेश्वर कुमार और मोहम्मद शमी को भी टीम में सेलेक्ट नहीं किया जा रहा है। इसकी वजह से सवाल उठ रहे हैं। रिंकू सिंह और ऋतुराज गायकवाड को क्यों नहीं सेलेक्ट किया गया, यह भी बड़े सवाल है जिसका जवाब अजित अगरकर को देना पड़ा सकता है।

सिंधू, सेन कनाडा ओपन के दूसरे दौर में

कैलगरी (एजेंसी)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन कनाडा ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए जिन्होंने बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर के इस सुपर 500 टूर्नामेंट में सीधे गेम में जीत दर्ज की। चौथी वरीयता प्राप्त सिंधू ने कनाडा की टालिया एनजी को 21 . 16, 21 . 9 से हराया वहीं सेन ने दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुंलावुत विदितसर्न को 21 . 18, 21 . 15 से मात दी।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू का सामना अब जापान की नतसुकी निदाइरा से होगा जबकि सेन ब्राजील के वायगोर कोल्हो से खेलेंगे । बी साई प्रणीत को कोल्हो ने 21 . 12, 21. 17 से हराया। रूत्विका शिवाना गाड्डे भी पहले दौर में थाईलैंड की सुपनिदा के से 21 . 12, 21 . 3 से हारकर बाहर हो गई।

रोहित ही रहें एकदिवसीय विश्वकप में कप्तान : सहवाग

-जीत के लिए पूरी टीम को बेहतर प्रदर्शन करना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अच्छा काम कर रहे हैं और उन्हें ही एकदिवसीय विश्व कप में कप्तान बनाये रखना चाहिये। सहवाग ने रोहित की कप्तानी क्षमताओं पर भरोसा जताते हुए कहा, रोहित कप्तान के रूप में अच्छा काम कर रहे हैं और उन्हें विश्व कप 2023 में भी टीम की कमान संभाले रखनी चाहिये। सहवाग ने साथ ही कहा कि केवल कप्तान ही अपने बल पर टीम को जीत नहीं दिला सकता और इसके लिए सभी को प्रयास करना होगा। टीम को एकजुट होकर प्रयास करने से ही सफलता मिलती है। सहवाग के मुताबिक, जीत के लिए खिलाड़ियों का सही संयोजन और सकारात्मक मानसिकता जरुरी है। सहवाग का मानना है कि कप्तान की भूमिका अहम है पर विश्व कप जीतने के लिए वह पूरी तरह जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने कहा, विश्व कप कप्तान नहीं, टीम जीतती है। ग्यारह खिलाड़ियों का सही संयोजन और सकारात्मक मानसिकता विजेता टीम को तय करती है। उन्होंने कहा कि कप्तान की सफलता टीम के प्रदर्शन और किसी दिन उनके द्वारा किए गए सामूहिक प्रयासों पर निर्भर करती है।

पिछले अनुभवों का हवाला देते हुए सहवाग ने कहा कि कई बार अच्छे कप्तानों के होने के बाद भी भारतीय टीम सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पायी। विराट कोहली के नेतृत्व में टीम ने कई द्विपक्षीय सीरीज जीतीं पर अहम सेमीफाइनल मुकाबलों में टीम जीतने में अफसल रही। इसी प्रकार जब रोहित शर्मा ने टीम की कप्तानी की, तो उन्हें टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इससे साबित होता है कि जीत केवल कप्तान नहीं दिला सकता।

विश्व कप 2023 से पहले बांग्लादेश क्रिकेट में बड़ा भूचाल,

कप्तान ने अचानक लिया संन्यास, प्रेस कॉन्फ्रेंस में फूट-फूटकर रोए

ढ़ाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के वनडे कप्तान तमीम इकबाल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर क्रिकेट जगत को चौंका दिया है। वह पहले ही टी20 प्रारूप से संन्यास ले चुके थे और आखिरी बार उन्होंने अप्रैल में टेस्ट खेला था। फिलहाल बांग्लादेश अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज खेल रही है। टीम शुरुआती मैच हार गई जबकि तमीम पहले वनडे में कुछ खास कमाल नहीं कर सके हैं। ऐसी खबरें भी आई थीं कि वह ओपनर के लिए फिट नहीं हैं लेकिन फिर भी उन्होंने खेलने का फैसला किया था। तमीम इकबाल ने दोपहर 12 बजे (स्थानीय समयानुसार) अचानक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई और संन्यास की घोषणा की।

हुए भावुक: दावा किया जा रहा कि वह बेहद भावुक थे और घोषणा करते समय रो भी पड़े। तमीम का फैसला बांग्लादेश क्रिकेट के लिए बड़ा झटका है, जबकि भारत में विश्व कप शुरू होने में केवल तीन महीने बचे हैं। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए अंत है। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। मैं इसी क्षण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं। मैं अपनी टीम के सभी साथियों, कोचों, बीसीबी अधिकारियों, अपने परिवार के सदस्यों और उन लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं जो मेरी लंबी यात्रा में मेरे साथ रहे। उन्होंने मुझ पर विश्वास बनाए रखा। मैं प्रशंसकों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। आपके प्यार और मुझ पर विश्वास ने मुझे बांग्लादेश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित किया। मैं अपने जीवन के अगले अध्याय के लिए आपकी प्रार्थनाएँ माँगना चाहता हूँ। कृपया मुझे अपनी प्रार्थनाओं में रखें।

2007 विश्व कप में रही अहम भूमिका

टाइगर्स पहले ही मुख्य कार्यक्रम के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं और अब इस प्रारूप में उनके पास कोई कप्तान नहीं बचा है। शाकिब अल हसन इस समय टी20ई कप्तान हैं जबकि लिटन दास टेस्ट में बांग्लादेश का नेतृत्व करते हैं। यह देखना होगा कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) इनमें से किसी को कम से कम विश्व कप तक कप्तान नियुक्त करता है या नहीं। जहां तक तमीम इकबाल की बात है, उन्होंने बांग्लादेश के लिए 70 टेस्ट मैच खेले और 38.89 की औसत से 5134 रन बनाए, जिसमें उनके नाम 10 शतक भी हैं। उन्होंने इस प्रारूप में आखिरी बार अप्रैल में आयरलैंड के खिलाफ खेला था। जहां तक वनडे का सवाल है, उन्होंने 241 मैच खेले और 36.62 की औसत से 14 शतक और 56 अर्धशतक के साथ 8313 रन बनाए। तमीम 2007 विश्व कप में भारत को हराने वाली बांग्लादेश टीम का भी हिस्सा थे। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने लक्ष्य का पीछा करते हुए मैच विजयी अर्धशतक बनाया था।

विम्बलडन : जोकोविच और स्वियातेक जीते, प्रदर्शनकारियों और बारिश ने डाला खलल

विंबलडन । विम्बलडन में नोवाक जोकोविच 350वां ग्रैंडस्लैम मैच जीतने वाले रोजर फेडरर और सेरेना विलियम्स के बाद टेनिस के इतिहास में तीसरे खिलाड़ी बन गए जबकि दो साल पहले की उपविजेता कैरोलिना प्लिसकोवा पहले दौर में क्वालीफायर से हार गई। तीन पर्यावरण कार्यकर्ताओं को मैदान पर नारंगी रंग के कागज के टुकड़े फेंककर मैच में बाधा पहुंचाने के कारण गिरफ्तार किया गया। उन्होंने ये कागज सेंटर कोर्ट पर बिकने वाले सामान के डिब्बों में छिपा रखी थी। इसके अलावा मंगलवार के बाद बुधवार को भी बारिश हुई जिससे खेल का समय काफी बर्बाद हुआ। छठी रैंकिंग वाले होल्गर रूने ने ब्रिटेन के वाइल्ड कार्डधारी जॉर्ज लोफागेन को 7.6, 6.3, 6.2 से मात दी। पुरूष वर्ग में सबसे ज्यादा 23 ग्रैंडस्लैम जीतने वाले जोकोविच ने जोर्डन थाम्पसन को 6.3, 7.6, 7.5 से हराया। दो बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन स्टेफानोस सिटसिपास ने 2020 अमरीकी ओपन चैम्पियन डोमिनिक थीम को 3.6, 7.6, 6.2, 6.7, 7.6 से मात दी। शीर्ष वरीयता प्राप्त पोलैंड की इगा स्वियातेक ने स्पेन की सारा सोरिबोस टोर्मो को 6-2, 6-0 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। रूस के तीसरे वरीय मेदवेदेव ने ब्रिटेन के 20 साल के आर्थर फेरी को पहले दौर के मुकाबले में सीधे सेटों में 7-5, 6-4, 6-3 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। अमरीका के टेलर फिट्ज और फांसिस टियाफो भी विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाने में सफल रहे। नौवें वरीय फिट्ज ने एक सेट से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए जर्मनी के यानिक हेंफमैन को 6-4, 2-6, 4-6, 7-5, 6-3 से हराया जबकि टियाफो ने यिबिंग वू को सीधे सेटों में हराया।

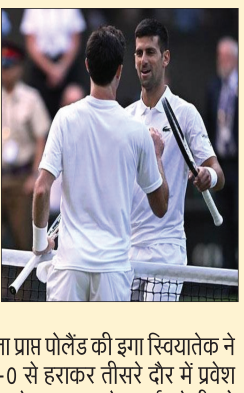

स्मिथ 100 टेस्ट खेलने वाले 16 वें ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बने

हैडिंग्ले । ऑस्ट्रेलियाई टीम के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले मैच में उतरते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इसी के साथ ही स्मिथ 100 टेस्ट खेलने वाले क्लब में शामिल हो गये हैं। वह सौ टेस्ट खेलने वाले 16 वें ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैं। स्मिथ ने इससे पहले 99 मैचों में 59.56 की औसत से 9113 रन बनाए हैं। उन्होंने 32 शतक और 37 अर्धशतक लगाए। केवल 15 ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने अबतक 100 टेस्ट खेले हैं। ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा ने स्मिथ की प्रशंसा करते हुए कहा, वह वास्तव में ज्यादा कुछ नहीं कहता है और मुझे पता है कि वह कैसा है। मैं वास्तव में उससे ज्यादा बात नहीं करता। आप कैसे चल रहे हैं? अच्छा, कुछ? यह हमारी बातचीत उतनी ही गहरी है जब तक कि वास्तव में कुछ सामने न आ जाए। स्मिथवास्तव में काम करता है, वह क्षेत्र में आता है, मुझे पता है कि वह ऐसा करता है इसलिए मैंने इसे रहने दिया। हमने एक साथ बहुत अच्छी बल्लेबाजी की है, जब से मैं ऑस्ट्रेलिया के लिए खेल रहा हूं, मैंने कई साझेदारियां की हैं। मैं समझता हूं कि जब स्मिथ बल्लेबाजी कर रहा होता है तो आप उसे वैसे ही रहने देते हैं।

बांग्लादेश दौरे के लिए आगरा की राशि को मिली भारतीय महिला क्रिकेट टीम में जगह

दुबई। (एजेंसी)। आगरा की राशि कनौजिया को बांग्लादेश दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए चुना गया है। टीम की घोषणा के बाद राशी का परिवार उसे राष्ट्रीय टीम में शामिल किए जाने से अभिभूत था। महिला क्रिकेटर राशि कनौजिया वर्तमान में मुंबई में रेलवे में सहायक क्लर्क के पद पर कार्यरत हैं। उसे तीन महीने हो गए हैं।

राशि कनौजिया की मां एक आर्मी स्कूल में टीचर हैं जबकि उनके पिता सेना से रिटायर हैं। परिवार में उनके दो बड़े भाई हैं। राशि कनौजिया के माता-पिता ने बताया, 'राशि अपने बाएं हाथ से काम करती थी, हमें बचपन से ही यह विचार था कि वह भारत के लिए खेलना चाहती है। उसे टीम के लिए चुना गया है, वह बहुत खुश है। परिवार ने इसके लिए कड़ी मेहनत की है। राशि का क्रिकेट करियर और उन्हें कोचिंग दिलाना थोड़ा मुश्किल होता था, लेकिन राशि ने खेल के साथ-साथ अपनी पढ़ाई भी पूरे मन से की, हमें बहुत खुशी है कि वह टीम इंडिया के लिए चुनी गईं।'

इससे पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार को बांग्लादेश के आगामी दौरे के लिए भारतीय महिला वनडे और टी20 टीम की घोषणा की। बीसीसीआई ने कहा, 'महिला चयन समिति ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टी20आई और एकदिवसीय श्रृंखला के लिए क्रमशः भारत की टीम चुनी है। सभी छह मैच मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम (एसबीएनसीएस) में खेले जाएंगे।'

हरमनप्रीत कौर दोनों प्रारूपों में टीम का नेतृत्व करेंगी जबकि स्मृति मंधाना दोनों प्रारूपों में उनकी उप-कप्तान के रूप में कार्य करेंगी। यह दौरा तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ शुरू होगा और पहला मैच 9 जुलाई को खेला जाएगा। दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 11 जुलाई और 13 जुलाई को खेला जाएगा। दो दिन के ब्रेक के बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज 16 जुलाई से शुरू होगी। दूसरा और तीसरा वनडे क्रमशः 19 जुलाई और 22 जुलाई को खेला जाएगा।

भारत की टी20 टीम : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, देविका वैद्य, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, एस मेघना, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, अंजलि सरवानी, मोनिका पटेल, राशि कनौजिया, अनुषा बारेड्डी, मिन्नू मणि।

भारत की वनडे टीम : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, देविका वैद्य, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, प्रिया पुनिया, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, अंजलि सरवानी, मोनिका पटेल, राशि कनौजिया, अनुषा बारेड्डी, स्नेह राणा।

प्रियांश -अवनीत की जोड़ी ने जूनियर मिश्रित टीम तीरंदाजी स्वर्ण पदक जीता

लिमेरिक। भारत के प्रियांश और अवनीत कौर की जोड़ी ने बुधवार को यहां विश्व तीरंदाजी युवा चैम्पियनशिप के फाइनल में इस्राइल को 146-144 से हराकर जूनियर मिश्रित टीम कम्पाउंड स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत के मानव जाधव और ऐश्वर्या शर्मा ने कैडेट मिश्रित कम्पाउंड स्पर्धा में मेक्सिको को हराकर कांस्य पदक जीत लिया। यह प्रतियोगिता तीन से नौ जुलाई तक लिमेरिक विश्वविद्यायल में चल रही है।

धोनी का जन्मदिन आज, मिलने के लिए देश भर से पहुंचे प्रशंसक

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का शुक्रवार सात जुलाई को जन्मदिन है। जिसको लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। यहां तक कि राजस्थान, यूपी महाराष्ट्र और उड़ीसा से भी प्रशंसक धोनी से मिलने पहुंचे हैं। उन्हीं में से एक राजस्थान के भीलवाड़ा से यहां पहुंचे विजेश चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की पीली जर्सी में दिखे। विजेश धोनी से मिलने की कोशिश करते नजर आए, लेकिन जब सफल नहीं हुए तो धोनी के घर के बाहर ही रुक गये। सुबह जब धोनी अपने आवास के बाहर कार से निकल रहे थे तो विजेश ने उन्हें देखकर हाथ हिलाया और धोनी ने भी जवाब दिया। दरअसल विजेश अपने साथ धोनी के जन्मदिन का एक संदेश लिखकर लाए थे, जो उन्होंने अपने खून से लिखा था। वह धोनी से मिलकर यह संदेश देना चाहते थे, लेकिन उनकी यह इच्छा पूरी नहीं हो सकी। विजेश राजस्थान के भीलवाड़ा में एक क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन भी करा रहे हैं जिसका नाम उन्होंने धोनी के नाम पर रखा है। विजेश के अलावा यूपी के अयोध्या से बीएसएफ के जवान प्रमोद शर्मा, महाराष्ट्र के नागपुर से भीम सिंह और उड़ीसा के राहुल किला से सत्या भी धोनी के आवास के बाहर नजर आए। ये सभी धोनी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देना चाहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने शमी की पत्नी की याचिका पर एक माह में सुनवाई कर निपटारा करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां की एक याचिका पर पश्चिम बंगाल के सत्र न्यायाधीश को एक महीने के भीतर सुनवाई करने और इस मामले का निपटारा करने के निर्देश दिये। साथ ही ये भी स्पष्ट किया कि यदि यह संभव नहीं है तो सत्र न्यायाधीश इसमें संशोधन के लिए कोई भी आदेश पारित कर सकते हैं। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि शमी की पत्नी की याचिका में योग्यता मिली क्योंकि इस मामले पर पिछले 4 वर्षों से सुनवाई नहीं हुई है। अदालत ने कहा कि अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अलीपुर द्वारा 29 अगस्त 2019 को गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। उक्त आदेश को शमी ने सत्र न्यायालय के समक्ष चुनौती दी थी, जिसने 9 सितंबर 2019 को गिरफ्तारी वारंट और संपूर्ण पर रोक लगा दी थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि कार्यवाही पर सुनवाई नहीं हुई है और मुकदमे पर रोक पिछले चार वर्षों से जारी है। अदालत ने संबंधित सत्र न्यायाधीश को एक महीने की अवधि के भीतर आपराधिक पुनरीक्षण लेने और निपटाने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि यह संभव नहीं है, तो सत्र न्यायाधीश स्थगन आदेश में संशोधन के लिए आदेश पारित कर सकते हैं। गौरतलब है कि शमी की पत्नी ने कलकत्ता हाई कोर्ट के 28 मार्च 2023 के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें सत्र न्यायालय के आदेश को रद्द करने की उनकी प्रार्थना खारिज कर दी गई थी। पश्चिम बंगाल की एक सत्र अदालत ने शमी के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट पर रोक लगा दी थी। शमी की पत्नी ने अपने वकील दीपक प्रकाश, नचिकेता वाजपेई और दिव्यांगना मलिक के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है और आरोप लगाया है कि शमी उनसे दहेज की मांग करते थे।

मीराबाई 95 प्रतिशत फिट, पर अगले हफ्ते राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में नहीं खेलेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव ने बताया कि ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू डेढ़ महीने पहले लगी जांघ की चोट से 95 प्रतिशत उबर चुकी हैं लेकिन अगले हफ्ते भारतीय सरजमीं पर होने वाली राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाएंगी।

तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई अभी अमरीका के सेंट लुईस में डॉक्टर होर्शिग के मार्गदर्शन में 65 दिन के रिहैबिलिटेशन में हिस्सा ले रही हैं लेकिन वह विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों में शिरकत करेंगी। यादव ने गुरुवार को पत्रकारों को बताया, 'मीराबाई को मामूली चोट लगी थी, वह इसके लिए सेंट लुईस में रिहैब में है। वह अभी 95 प्रतिशत फिट हैं और अच्छी ट्रेनिंग कर रही हैं।' उन्होंने कहा, 'करीब डेढ़ महीने पहले मीराबाई ने जांघ में परेशानी की शिकायत की थी। इसलिये हमने तुरंत ही उसे अमेरिका भेजने की तैयारी कर दी।'

मीराबाई पूर्व भारोत्तोलक से फिजियोथेरेपिस्ट और 'स्ट्रेंथ एंड कंडिशनिंग' कोच बने होर्शिग से 2020 से मार्गदर्शन ले रही हैं। महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) 12 जुलाई से राष्ट्रमंडल सीनियर, जूनियर और युवा चैम्पियनशिप की मेजबानी के लिए तैयारी में जुटा है। फिर 28 जुलाई से इसी स्थल पर एशियाई युवा और जूनियर चैम्पियनशिप भी खेली जाएगी।

यादव ने कहा, 'हमें उसे (मीराबाई) को पेरिस ओलंपिक तक चोटों से मुक्त रखना होगा। उसे 49 किग्रा में कट में जगह बनाने के लिए अपना वजन कम करना होगा। और बार बार ऐसा करना उसके लिए अच्छा नहीं होगा इसलिए वह राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप में हिस्सा नहीं लेगी।' विश्व चैम्पियनशिप चार सितंबर से रियाध में शुरु होगी और एशियाई खेल 20 से कम दिन बाद चीन के हांगजोऊ में 23 सितंबर से खेले जाएंगे।

एशियाई खेल 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट नहीं है और इस मणिपुरी खिलाड़ी की ट्राफियों में सिर्फ एशियाड पदक की कमी है। वहीं 2024 ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियम के अनुसार एक भारोत्तोलक का 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2024 विश्व कप में हिस्सा लेना अनिवार्य है। इसलिए वह विश्व चैम्पियनशिप से नहीं हट सकती। वहीं राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन जेरेमी लालरिनुगा को राष्ट्रीय शिविर से बाहर कर दिया गया क्योंकि इस भारोत्तोलक ने अपनी पीठ की चोट के रिहैबिलिटेशन के लिए अमेरिका जाने से इनकार कर दिया और साथ ही उन्होंने एशियाई खेलों और विश्व चैम्पियनशिप के लिए ट्रायल्स में भी हिस्सा नहीं लिया।

यादव ने कहा, 'जेरेमी जब चोटिल हुआ तो हमने उसे सेंट लुईस जाने के लिए कहा। हमने टॉप्स से भी बात की लेकिन उसने जाने से इनकार कर दिया।' उन्होंने कहा, 'वह प्रतिभाशाली खिलाड़ी है लेकिन उसने विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के लिए ट्रायल्स नहीं दिया। इसलिये हमने उसे शिविर से बाहर कर दिया। उसे वापसी करने के लिये अच्छा प्रदर्शन करना होगा।' यादव ने साथ ही कहा, 'उसके कुछ अनुशासनात्मक मुद्दे भी रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'संकेत सरगर (राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता) भी चोटिल थे तो उन्हें भी शिविर से हटा दिया गया। उसका प्रदर्शन भी गिर रहा था। हाल के ट्रायल्स में जूनियर खिलाड़ियों ने उसे हरा दिया।'

हमारे खिलाड़ियों का क्रिकेट पर ध्यान है, ना कि पीसीबी के मामलों पर : बाबर आजम

कराची। कप्तान बाबर आजम ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में चल रह उठापटक का राष्ट्रीय टीम के आईसीसी वनडे विश्व कप और इससे पहले होने वाली सीरीज में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस समय दुनिया के शीर्ष बल्लेबाजों में से एक बाबर ने एक प्रेस कांफ्रेंस में यह भी कहा कि उनकी टीम महज चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ अहम मुकाबले पर ही ध्यान नहीं लगा रही है बल्कि पूरे विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी।

बढ़ती उमस कर न दे पस्त

मौसम अपने साथ उमस भरा माहौल भी लेकर आता है। घुटन और नमी से भरा यह मौसम कई बार असहनीय ही नहीं, हमारे स्वास्थ्य और खासकर त्वचा के लिए खतरनाक साबित होता है। उमस को अपनी सेहत पर हावी होने से कैसे रोके

वातावरण में मौजूद नमी का असर शरीर से निकलने वाले पसीने पर आसानी से देखा जा सकता है। पसीने के बारे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्राकृतिक तौर पर शरीर की रक्षा करने का काम करता है। शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले अतिरिक्त अल्कोहल, कोलेस्ट्रॉल और नमक को शरीर से बाहर निकालकर यह शरीर में संतुलन बनाए रखता है और विभिन्न संक्रामक रोगों से हमें बचाता है। गर्मी के मौसम में पसीना भाप बनकर उड़ जाता है और शरीर को ठंडा रखता है। लेकिन उमस वाले मौसम में यह पसीना सूख नहीं पाता है और शरीर को चिपचिपाहट से भर देता है।

उमस का असर

उमस वाले मौसम में वातावरण में बीमारियां फैलाने वाले बैक्टीरिया, वायरस और फंगस सक्रिय हो जाते हैं, जिनसे

किसी भी उम्र का व्यक्ति शिकार हो सकता है। इस मौसम में त्वचा संबंधी रोग ज्यादा पनपते हैं। वातावरण की नमी हमारी त्वचा के पोर बंद कर देती है, जिससे त्वचा सांस नहीं ले पाती। त्वचा के भीतर समुचित मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता और त्वचा बेजान-सी हो जाती है। अगर साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाए तो त्वचा फंगल इंफेक्शन, रैशेज, मुंहासे और फोड़े-फुंसियों की चपेट में आ जाती है। शरीर के ऐसे हिस्से जहां पसीने ज्यादा आते हैं, वहां रैशेज पड़ जाते हैं और खुजली होने लगती है। चेहरे पर मवाद से भरे मुंहासे उभर आते हैं, जिनसे कई बार चेहरे पर निशान भी पड़ जाते है। तापमान में नमी का असर हमारे बालों पर भी पड़ता है। नियमित सफाई के अभाव में बाल चिपचिपे और बेजान हो जाते हैं। डैंड्रफ हो जाते हैं, जिससे बाल ज्यादा गिरने लगते हैं।

इसके अलावा कम पानी पीने और खानपान की गलत आदतों से आप डीहाइड्रेशन की शिकार भी हो सकती हैं। उमस के इस मौसम में पसीना बहुत आता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। उमस वाले मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है और ऐसा खाना खाने से पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है। नमी भरे मौसम से नींद आना, मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर, उल्टी और सिर दर्द जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

सूती और हल्के कपड़े पहनें

इस मौसम में सिंथेटिक, मोटे और टाइट फिटिंग के कपड़ों के बजाय हल्के रंगों वाले पतले और सूती कपड़े पहनें। टाइट फिटिंग और ज्यादा कसीदाकारी वाले कपड़े पहनने से बचें। ऐसा करने से आपको गर्मी और उमस से परेशानी भी कम होगी और ज्यादा पसीना आने के बावजूद आपको कम परेशानी होगी।

खान-पान का रखें ध्यान

खानपान के मामले में एहतियात बरत कर ही आप उमस भरे वातावरण में सेहतमंद रह सकती हैं।

डीहाइड्रेशन से बचने के लिए भरपूर मात्रा में पानी पिएं और उबला पानी पीने की कोशिश करें। पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर पीने से विषाक्त पदार्थ आसानी से शरीर से बाहर निकल जाएंगे। मूली के रस में काली मिर्च पाउडर और एक चुटकी सेंधा नमक मिलाकर पीना भी इस मौसम में फायदेमंद है। खाने के मामले में सतर्कता बरतें। घर का बना और कम चिकनाई वाला खाना ही खाएं। खाने में अदरक, अजवायन का प्रयोग करें। तुलसी और अदरक की चाय पिएं। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी और उमस से लड़ने में शरीर को मदद मिलेगी।

निजी साफ-सफाई का रखें

नमी भरे वातावरण में होने वाली चिपचिपाहट से बचने के लिए अपनी साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। ठंडे पानी से दिन में दो बार नहाएं। साफ-सुथरे कपड़े पहनें। वातावरण में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और धूल के कणों पर काबू पाने के लिए एंटीबैक्टीरियल या ग्लिसरीन युक्त साबुन से स्नान करें। बालों में हर दूसरे दिन शैंपू करें ताकि नमी से उन्हें नुकसान न हो। त्वचा को संक्रमण से बचाने के लिए उसे सूखा रखें और एंटी-बैक्टीरियल पाउडर का इस्तेमाल सकती हैं।

आदत बदलें सेहत सुधारें

कभी-कभी छोटी-छोटी बातें फायदेमंद साबित हो जाती हैं। सेहत के मामले में भी ऐसा ही है। भले ही आप जिम नहीं जा पा रहीं या नियमित रूप से व्यायाम नहीं कर पा रही हैं, पर अपनी आदतों में हल्का-सा बदलाव लाकर भी अपनी सेहत को सुधार सकती हैं। सेहतमंद रहने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी क्या है? सही खानपान! हां, लेकिन यह काफी नहीं है। इसके साथ और भी कई चीजें हैं जो स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी हैं। खानपान की सही आदतों के साथ उन आदतों पर गौर करना बेहद जरूरी हो जाता है, जिनसे हमारी सेहत जुड़ी हुई है। विभिन्न आहारविदों का मानना है कि हम भले ही स्वास्थ्य के प्रति कितने भी सजग और सचेत हों, लेकिन हम अपनी रोजमर्रा की आदतों में खानपान के साथ-साथ कई ऐसी गलतियां करते हैं जिनका हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है। आइये देखें कि उन्हें कैसे सुधार सकते हैं :-

पिज्जा में सॉस ज्यादा, चीज कम

पिज्जा का मजा तो तभी आता है जब उसमें खूब सारी चीज हो। खाने में लजीज लगने वाला चीज हमारे सेहत के लिए ठीक नहीं है, क्योंकि यह पूरी तरह से सैचुरेटेड फैट होता है। खाने में ज्यादा चीज दिल का दौरा, ओवेरियन डिस्ऑर्डर, कैंसर और डायबिटीज जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। इसलिए जब अगली बार पिज्जा ऑर्डर करें तो उसमें चीज की मात्रा कम और टोमैटो सॉस की मात्रा ज्यादा करने को कहें। टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर में किसी भी तरह के ट्यूमर को विकसित होने से रोकते हैं।

खाने के साथ जूस हो

-ई लोग खाने के साथ कोल्ड ड्रिंक या एनर्जी ड्रिंक्स लेते हैं। कोल्ड ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक्स सेहत के लिए ठीक नहीं होते। इनमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इनका एक और नुकसान यह भी है कि ये खाने के पौष्टिक तत्वों को शरीर द्वारा अवशोषित करने नहीं देते। खाने के पौष्टिक तत्वों का पूरा लाभ उठाने के लिए कोल्ड ड्रिंक की जगह जूस लें। खासकर संतरे का जूस आयरन के अवशोषण को बढ़ा देता है।

तकिए को जांच लें

सालों साल एक ही तकिया। इन्हें बदलने के बारे में तो हम सोचते भी नहीं। लेकिन क्या आपको पता है कि गलत तकिया गर्दन, कंधों और यहां तक कि पीठ व कमर के दर्द का सबब बन सकता है? इसके अलावा इससे आलस, नींद अधूरी रहने का अहसास, थकान भी हो सकती है। इसलिए एक समय के बाद अपने तकियों को बदल डालें। लेकिन तकिये के बदलने का समय आ गया है यह कैसे पता चलेगा? तकिए को बीच से मोड़ें और फिर उसे छोड़ दें। अगर तकिया खुद दोबारा खुल जाता है तो वह अब भी इस्तेमाल लायक है, पर यदि तकिया खुलता नहीं है, तो उसे बदल डालें।

कुछ चीजों को बदलना जरूरी है

बीमारी से उठने के बाद हम कुछ चीजें करना भूल जाते हैं। मसलन, दांत साफ करने वाले ब्रश को बदलना। अगर बीमारी सर्दी या बुखार से संबंधित है तो ब्रश बदलना और भी जरूरी हो जाता है क्योंकि बीमारी के दौरान इस्तेमाल किए जाने की वजह से वे संक्रमित हो जाते हैं। ऐसे में यदि आप उन्हीं ब्रश और टंग क्लीनर को स्वस्थ होने के बाद भी इस्तेमाल करेंगी तो बीमार होने का खतरा बना रहेगा। ठीक इसी तरह आंखों के साथ भी होता है। यदि आपको आंखों में इंफेक्शन हो जाए और उस दौरान यदि आपने स्टिक काजल इस्तेमाल किया है तो उसे दोबारा इस्तेमाल न करें। सबसे आखिर में लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी बात यह कि घर में जितनी खराब हो चुकी या एक्सपायर हो चुकी दवाएं हैं उन्हें फेंक दें।

कंधों पर ज्यादा बोझ ठीक नहीं

कंधों पर ज्यादा बोझ सेहत के लिए ठीक नहीं। अमेरिकी शोधकर्ताओं के एक हालिया रिपोर्ट की मानें तो बैग का भार 1.3 किलोग्राम से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इससे ज्यादा भारी बैग आपके शारीरिक ढांचे को यानी पोस्चर को बिगाड़ सकता है।

मधुमेह के रोगियों को नेत्र रोगों का खतरा

मधुमेह से पीड़ित रोगियों के लिए जहां अपने गुर्दों और पैरों की देखभाल बहुत जरूरी होती है, वहीं उन्हें खान-पान संबंधी ढेर सारे परहेज भी करने पड़ते हैं। अब वैज्ञानिकों ने मधुमेह के संबंध में यह तथ्य भी उजागर किया है कि मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी रोगों का खतरा भी अपेक्षाकृत अधिक होता है, इसलिए उन्हें अपने गुर्दों के साथ-साथ अपनी आंखों की भी विशेष देखभाल करनी चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि मधुमेह से पीड़ित रोगियों में 'डायबिटिक रेटीनोपेथी' नामक बीमारी होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। इस बीमारी में रोगी व्यक्ति को न सिर्फ मोतिया बिंद की शिकायत हो सकती है बल्कि धीरे-धीरे उसकी आंखों की रोशनी भी कम होती जाती है और एक समय ऐसा भी आ सकता है जब उसकी आंखों की रोशनी पूरी तरह से समाप्त हो जाए यानी व्यक्ति नेत्रहीन हो जाए।

मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी इस तरह खतरों के मद्देनजर विशेषज्ञ यही सलाह देते हैं कि मधुमेह के रोगियों को समय-समय पर किसी अच्छे नेत्र विशेषज्ञ से अपनी आंखों का चैकअप कराते रहना चाहिए और कभी भी आंखों में किसी भी तरह की समस्या का एहसास हो तो अपने डाक्टर से डिस्कस करके तुरंत उसका इलाज कराना चाहिए।

कई रोगों की एक दवा हैं कढ़ी पत्ता

कढ़ी पत्ते का प्रयोग हर घर की रसोई में किया जाता है । यें हमारे भोजन को स्वादिष्ट बनाने के साथ-साथ हमारी सेहत को भी तंदरूस्त रखने में मदद करता है। कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है।यें हमारे मोटापे को कम करने में भी मदद करता है।कढ़ी पत्ते में इतने औषधीय गुण पाएं जाते है जो हमारे स्वास्थ्य को निरोग रखने में मदद करते है।

- कढ़ी पत्ते का सेवन करने से कई बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकते है।मुंह में छाले होने पर और सिरदर्द से भी राहत दिलवाने में मदद करता है।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से बालों की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। कढ़ी पत्ते के सेवन से बाल जल्दी सफेद नहीं होते ।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है ।भोजन में कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पाचन क्रिया भी तंदरूस्त रहती है।
- कढ़ी पत्ता मोटोपे से भी निजात दिलवाने में मदद करता है। हर रोज कढ़ी पत्तियों को चबाकर खाने से मोटापा कम हो जाता है।
- कढ़ी पत्ते में नींबू की कुछ बूंदे मिलाकर और उसमें थोड़ी सी चीनी मिलाकर लेने ले उल्टी से राहत मिलती है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना डायबीटिज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना किडनी के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है ।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना आंखों की रोशनी के लिए लाभकारी होता है।

मुस्कान बन जाएगी आपकी पहचान

आपकी खूबसूरती को बयां करने मे आपके मोती जैसे दांतों की अहम भूमिका होती है। जितनी सुंदर आप हैं, यदि उतनी ही अच्छी आपकी मुस्कान है तो लोगों से रूबरू होने का आपका अंदाज ही निराला होगा। आजकल दांतों की सुंदरता को बरकरार रखना पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आसान हो गया है। कैसे अपने दांतों की खूबसूरती बढ़ाकर खूबसूरत मुस्कान पाएं।

स्पिलिंट से दे सही आकार - अगर आपके दांत टेढ़े-मेढ़े हैं तो आपकी मुस्कराहट प्रभावशाली नहीं हो सकती। दांतों को सही शेप देने के लिए पहले के दौर में वायरिंग की मदद ली जाती थी। आजकल वायरिंग की जगह ले ली है, अदृश्य रहने वाली स्पिलिंट्स ने। ये प्लास्टिक के वायर ही होते हैं, जो आपके दांतों पर लगाये जाते हैं ताकि आपके दांतों को सही आकार मिले। ये पारदर्शी होते हैं इसलिए अदृश्य रहते हैं और इलाज के दौरान भी आपकी मुस्कराहट उतनी ही मोहक बनी रहती है।

वाइटनिंग कराने से नहीं कोई नुकसान - कोल्ड ड्रिंक, स्मोकिंग, जंक फूड, ड्रिंकिंग ये सब ऐसी आदतें हैं जो आपके दांतों पर पायी जाने वाली सफेद परत को नुकसान पहुंचाकर उसे खराब करती हैं और हमेशा के लिये आपके दांतों की खूबसूरती छीन लेती है। अक्सर हम इस डर से अपने दांतों के पीलेपन का इलाज नहीं कराते क्योंकि हमें लगता है कि इससे हमारे दांतों को नुकसान होगा। लेकिन इस बारे मे मौलाना आजाद इंस्टिटयूट ऑफ डेंटल साइंस के डॉक्टर हिमांशु कहते हैं, 'दांतों की सफाई कराने में कोई नुकसान नहीं है। कम से कम 6 महीने में एक बार तो डेंटिस्ट से चेकअप कराकर सफाई करवानी चाहिए, क्योंकि यह पद्धति पूरी तरह से सुरक्षित होती है। बाजार में मिलने वाले वाइटनिंग टूथपेस्ट से बचना चाहिए क्योंकि उनमें कई हानिकारक केमिकल होते हैं जो आपके दांतों को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। उन्हें प्रयोग में लाने से पहले एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें।'

फिर से आया दांतों पर गहने जड़ने का फैशन

हजारों साल पहले माया सभ्यता के लोग अपने दांतों पर रत्न इत्यादि जड़वाते थे ताकि आपने दांतों को सुंदर दिखा सकें। आजकल युवाओं में ये फैशन फिर से छाया हुआ है, वजह इसकी प्रक्रिया बहुत आसान है और इसकी देखभाल भी। बस डॉक्टर्स द्वारा दांतों में भरे जाने वाले कम्पोजिट सेरेमिक से किसी भी तरह की ज्वेलरी आपके दांतों पर लगा दी जाती है और आपको बस रोजाना की तरह अपने दांतों की सफाई ही करनी होती है। तो अब आपके दांत भी आपके स्टाइल का स्पेशल हिस्सा हो सकते हैं।

इम्प्लांटेशन और सेरेमिक भी दें खूबसरती

पहले के जमाने में सोना और चांदी को लोग अपने दांतों में भरवाया करते थे, लेकिन तब वह दांतों के बीच अलग-सा दिखाई देता था। आजकल डेंटिस्ट सफेद सेरेमिक बेस के कम्पोजिट्स को दांतों के बीच की दूरी को पाटने के लिये प्रयोग करते हैं, इससे वह हिस्सा आपके दांतों में अलग से नहीं दिखाई देता और आपकी मुस्कराहट पूरी एक साथ और एक जैसी चमक बिखेरती है। इसके अलावा आजकल एक-एक दांत भी अलग से लगवाया जा सकता है और दांतों का पूरा सेट भी इंप्लांट कराया जा सकता है यानी कारण कोई भी हो आपके दांतों की खूबसूरती कभी कम नहीं होगी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डिप्रेशन से जूझ रही मशहूर अमेरिकी सिंगर कोको ली की मौत

लांस एजेलिस । पिछले कुछ दिनों से मनोरंजन की दुनिया से दुखद खबरें आ रही है। अब खबर हैं कि मशहूर अमेरिकी सिंगर कोको ली की मौत हो गई है। 48 साल की उम्र में कोको ली ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक कोको डिप्रेशन में थी, इसकारण उन्होंने खुदकुशी करने की कोशिश की। अस्पताल में भर्ती कराने के बावजूद उन्होंने बचाया नहीं जा सका। इस खबर से दुनियाभर में मौजूद कोको ली के फैंस सदमें में है। सिंगर के निधन से दुनियाभर में शोक की लहर दौड़ गई है। कोको ली के यूं चले जाने से उनके परिवार बुरी तरह से टूट गया है। कोको की मौत की जानकारी उनकी बहनें कैरल और नैन्सी ने सोशल मीडिया पर साझा की है। कोको सालों से डिप्रेशन से जूझ रही थी और आखिरकार वह अपनी जिंदगी की जंग हार गईं। कोको पहली चाइनीज सिंगर थी जिन्होंने ऑस्कर में परफॉर्मेंस दी थी। यहीं नहीं उन्होंने कई अवॉर्ड्स भी अपने नाम किए हैं। कोको ली के निधन पर सेलेब्स उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। बता दें कि हांगकांग में रहने वाली कोको बीते 29 सालों से इंटरनेशनल लेवल पर परफॉर्मेंस दे रही थी। उन्होंने कई हिट सॉन्ग दिए हैं, जिन्हें दुनियाभर में पसंद किया जाता है।

कोयला खदान दुर्घटना में सात की मौत, कंपनी ने छुपाया

शेनयांग । चीन में पिछले माह एक कोयला खान में दुर्घटना हो गई थी, हालांकि इसे कंपनी ने छुपा लिया था, जिसकी बाद में पुष्टि हुई। जानकारी के अनुसार पूर्वोत्तर चीन के लियाओनिंग प्रांत में एक कोयला खदान दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। शहर की कार्य सुरक्षा समिति के कार्यालय का हवाला देते हुए बताया कि दुर्घटना 27 जून को फुक्सिन शहर में हुई थी, लेकिन खनन कंपनी ने जानबूझकर इसे छुपाया। हालांकि फ़क्सिन में स्थानीय अधिकारियों ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी मिलने के बाद से इस दुर्घटना को गंभीरता से लिया है। उन्होंने तुरंत जांच शुरू करने के लिए एक टीम गठित की। जिन सात घायलों को मामूली चोटें आई हैं, उनका फिलहाल अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना होने के कारणों को लेकर जांच अभी भी जारी है।

इजरायली-रूसी शोधकर्ता दो माह से लापता, इराक में अपहरण का दावा

यरुशलम । इजरायली सरकार ने दावा किया है कि एक इजरायली-रूसी शोधकर्ता को इराक में शिया मिलिशिया समूह ने बंधक बना लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, एलिजाबेथ सुरकोव का अपहरण एक अर्धसैनिक समूह कातिब हिजबुल्लाह द्वारा किया गया, जो ईरान समर्थित पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज का हिस्सा है। नेतन्याहू के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार सुरकोव अभी भी जिंदा हैं और हम उनकी सुरक्षा के लिए इराक को जिम्मेदार मानते हैं। गौरतलब है कि सुरकोव एक विद्वान महिला और मध्य पूर्व अध्ययन के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने अपने रूसी पासपोर्ट पर इराक का दौरा किया। उन्होंने अमेरिका में प्रिंसटन विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट और अकादमिक शोध पर काम करने के लिए इराक की यात्रा की। नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि इस मामले को इज़राइल में संबंधित पक्ष देख रहे हैं। सुरकोव की मां इरेना ने इजरायल के मीडिया को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि उनकी बेटी दो महीने से लापता है। वहीं मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बगदाद की यात्रा से पहले सुरकोव ने इराक में कुर्द क्षेत्र का दौरा किया, जहां वह गायब हो गई। सुरकोव धाराप्रवाह अरबी बोलती हैं। वो ईरान समर्थित गुटों, विशेषकर इराकी शिया नेता मुक्तदा सद्र के आंदोलन पर शोध के लिए इराक का दौरा कर रही थी। उनकी वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने पहले सीरिया, इराक, जॉर्डन, तुर्की और क्षेत्र के अन्य देशों में फील्डवर्क किया था।

रिहाइशी इमारत पर रूसी मिसाइल गिरने से तीन नागरिकों की मौत

कीव । यूक्रेन के लवीव शहर में एक इमारत पर रूसी मिसाइल गिरने से तीन लोगों की मौत की खबर है। जानकारी के अनुसार गुरुवार को एक रूसी मिसाइल सीधे एक रिहाइशी इमारत पर गिरी। अधिकारियों ने बताया कि हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लवीव क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख मैक्सीम कोज़ित्स्की ने कहा कि वहां बचाव अभियान चल रहा है। शायद मलबे के नीचे और लोग फंसे हैं। कोज़ित्स्की ने कहा कि हम फिलहाल मलबे को हटाने का काम कर रहे हैं। बेशक, वहां घायल और मृत लोग हैं। इस तरह रूसी दुनिया लवीव पहुंची। रूसी दुनिया का नतीजा देखिए। यह एक आवासीय इमारत पर सीधा प्रहार था। वहीं टेलीग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में, लविव के मेयर एंड्री सदोवी ने कहा कि मलबे के नीचे और भी लोग हो सकते हैं। हमले की जगह पर खड़े होकर उन्होंने कहा कि कई कमरे, अपार्टमेंट क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कई इमारतों की खिड़कियां उड़ गईं और कई कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मेयर ने कहा कि वर्तमान में सार्वजनिक उपयोगिताएं और आपातकालीन स्थिति मंत्रालय साइट पर काम कर रहे हैं। स्थिति बेहद कठिन है। इमारतों को गंभीर नुकसान हुआ है। हमले की निंदा करते हुए राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि दुश्मन को निश्चित रूप से जवाब दिया जाएगा। ठोस जवाब। गौरतलब है कि कई महीनों से रूस यूक्रेनी शहरों पर घातक मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है, जो अक्सर नागरिक लक्ष्यों को निशाना बनाते हैं और व्यापक ब्लैकआउट का कारण बनते हैं।

सिलेंडर लीक होने से महिलाओं और बच्चों सहित 24 लोगों की मौत

जोहानिसबर्ग । दक्षिण अफ़्रीका स्थित जोहानिसबर्ग के पास बोक्सबर्ग शहर में एक सिलेंडर से जहरीली गैस का रिसाव होने से तीन बच्चों सहित 24 लोगों की मौत हो गई। दक्षिण अफ्रीका की पुलिस ने बताया कि आपातकालीन सेवाओं के अनुसार शुरूआत में 16 लोगों की जान गयी लेकिन बाद में ये संख्या 24 हो गयी। स्थानीय एजेंसी के अनुसार एकुरहुलेनी नगर पालिका के प्रवक्ता विलियम नटलडी ने कहा कि अधिकारी अभी भी घटनास्थल पर और पीड़ितों की तलाश कर रहे हैं। जानकारी मिली कि बुधवार रात दक्षिण अफ्रीका के बोक्सबर्ग शहर में एंजेलो अनौपचारिक बस्ती में संदिग्ध गैस के कारण 24 लोगों की जान चली गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ज़मा-ज़मा, जो अनौपचारिक बस्ती में एक झोंपड़ी से काम करते हैं। यहां एक गैस सिलेंडर लीक हो गया था जिससे नाइट्रिक ऑक्साइड फैल गया था। पुलिस के अनुसार हादसा जोहानिसबर्ग के पूर्वी इलाके में बोक्सबर्ग शहर में एक बस्ती में हुआ। इस संबन्ध में आपातकालीन सेवाओं के प्रवक्ता विलियम नतलाडी ने बताया कि एंजेलो बस्ती में एक झोपड़ी में रखे गैस सिलेंडर से रिसाव के कारण यह हादसा हुआ। रिसाव बंद होने के बाद बचाव कर्मी घटनास्थल पर हताहतों की तलाश कर रहे हैं। हालांकि स्पष्ट नहीं है कि गैस रिसाव कब शुरू हुआ, लेकिन जब आपातकालीन कर्मचारी लगभग 8 बजे घटनास्थल पर पहुंचे, तब तक सिलेंडर पहले ही सूख चुका था। एक अन्य अधिकारी ने उस भयानक दृश्य का विवरण भी दिया जहां शव बरामद किए गए थे। उन्होंने दावा किया कि पीड़ितों में महिलाएं और बच्चे भी थे, जिनके अवशेष विस्फोट के कारण रिसाव के स्रोत से ज्यादा दूर बस्ती के आसपास बिखरे हुए थे।

24 घंटों में 2,200 भूकंप के झटके दर्ज किए

आइसलैंड । यूरोप के देश आइसलैंड में पिछले 24 घंटों में 2,200 भूकंप के झटके दर्ज किए गए हैं। इसके बाद पूरा देश दहशत में है। भूकंप के यह झटके राजधानी रेक्जाविक के आसपास के क्षेत्रों में महसूस किए गए हैं। आइसलैंड मौसम विज्ञान कार्यालय ने चेतावनी दी है कि यह इस बात संकेत है कि जल्द ज्वालामुखी विस्फोट हो सकता है।

खबर के मुताबिक आईएमओ ने कहा कि माउंट फाग्राडल्सफजाल के नीचे शाम करीब 4 बजे के आसपास झटके शुरू हुए थे। यह पर्वत एक ज्वालामुखी के ऊपर स्थित है जहां पिछले दो सालों में रेक्जेन्स प्रायद्वीप-आइसलैंड के दक्षिण-पश्चिमी सिरे पर दो विस्फोट हुए हैं। एजेंसी ने कहा कि करीब 2,200 भूकंपों का पता लगाया गया है और सबसे बड़े भूकंप आइसलैंड के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में महसूस किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि अधिक भूकंपीय गतिविधि की आशंका है।

इजरायल में राष्ट्रपति बेंजामिलन नेतनयाहू के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोगों पर पारी की बौछारें की गयीं।

यूक्रेन जंग समाप्ति में अहम भूमिका निभा सकता हैं भारत : अमेरिकी राजदूत

कीव । यूक्रेन में अमेरिकी राजदूत ब्रिजेट ए ब्रिंक ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर बढ़ते कद और जी-20 की मौजूदा अध्यक्षता के साथ यूक्रेन में युद्ध को खत्म करने में अहम योगदान दे सकता है। ब्रिंक ने कहा कि विभिन्न वैश्विक चुनौतियों के समाधान में भारत का नेतृत्व अहम है तथा 'ग्लोबल साउथ' पर युद्ध के विपरीत प्रभाव को लेकर नई दिल्ली की बढ़ती चिंता इसकी जमीन तैयार करती है कि वह संकट को कम करने में भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि अमेरिका स्वतंत्रता और लोकतंत्रों का समर्थन करने के लिए भारत सहित दुनियाभर में अपने सभी साझेदारों और सहयोगियों के साथ काम करने की उम्मीद रखता है।

ब्रिंक ने कहा, कीव से हरदिन मैं दो चीजें देखती हूं। जंग के विनाशकारी प्रभाव तथा यूक्रेनी लोगों की क्षमता और जुझारूपन। राजदूत ने कहा कि वैश्विक नेतृत्व के लिए भारत की आकांक्षाएं और जी-20 की 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' थीम के जरिए सामूहिक कार्रवाई का उसका आह्वान उस भावना को दर्शाता है जो 'शांति' को हासिल करने के लिए जरूरी है।

भारत ने यूक्रेन पर रूसी हमले की अब तक निंदा नहीं की है। भारत संघर्ष का वार्ता और कूटनीति के जरिए समाधान करने पर जोर दे रहा है। पिछले साल सितंबर में समरकंद में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक द्विपीक्षय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था, आज का युग युद्ध का नहीं हैऔर रूसी नेता को संघर्ष समाप्त करने के लिए प्रेरित किया था।

चीन के बीआरआई के विरोध में भारत नहीं था अकेला, इस मुस्लिम देश ने भी दिया पीएम मोदी का साथ

बीजिंग (एजेंसी)। बीआरआई प्रोजेक्ट की वजह से ही दुनिया के कई देश चीन के कर्जजाल में फंसकर कंगाल हो चुके हैं। भारत ने इस प्रोजेक्ट को सपोर्ट करने से साफ इनकार कर दिया। शिखर सम्मेलन के अंत में जारी नई दिल्ली घोषणा में भारत ने बेल्ट एंड रोड्स इनिशिएटिव (बीआरआई) का समर्थन करने वाले पैराग्राफ पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। समिट के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने महत्वकांक्षी बेल्ड एंड रोड इनीशिएटिव यानी बीआरआई का जिक्र किया। लेकिन इसे कोई ज्यादा तवज्जो नहीं मिल सकी। जिनपिंग की तरफ से बीआरआई की बात को रखने के बावजूद भारत ने इसे नजरअंदाज किया। लेकिन साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के अनुसार भारत के अलावा ईरान की तरफ से भी जिनपिंग की बात से ज्यादा तबज्जो नहीं दी गई।

भारत नहीं करेगा समर्थन

जिनपिंग ने समिट के दौरान कहा कि बीआरआई इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट, क्षेत्रीय सहयोग, व्यापार और निवेश को आसान बनाएगा। इसके साथ ही बीआरआई में बेहतर तालमेल की अपील की। इसके बाद जो साझा बयान जारी किया गया उससे पता लगता है कि भारत और ईरान ने जिनपिंग की बीआरआई नीति का समर्थन नहीं किया है। भारत ने चीन की महत्वाकांक्षी 'बेल्ट एंड रोड' परियोजना (बीआरआई) का एक बार फिर समर्थन करने से इनकार कर दिया। इसी के साथ वह इस परियोजना का समर्थन नहीं करने वाला शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का एकमात्र देश बन गया। एससीओ शिखर सम्मेलन के अंत में जारी घोषणा में कहा गया कि रूस, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने बीआरआई के प्रति अपना समर्थन दोहराया है।

क्या है बीआरआई

ड्रैगन के बेल्ट एंड रोड एनिशिएटिव के बारे में तो सब जानते हैं। जिसके तहत वो सीपीईसी का निर्माण कर रहा है। इसके प्रोजेक्ट के जरिए चीन ने अफगानिस्तान, पाकिस्तान के रास्ते यूरोप तक जाने का प्लान बनाया है। बीआरआई के जरिए चीन दुनिया के गरीब देशों को कर्ज दे रहा है और फिर उनके संसाधनों पर कब्जा कर रहा है। अफ्रीका से लेकर दक्षिण अमेरिका तक कई देश उसके कर्ज के जाल में बुरी तरह फंसे हुए हैं। चीन के प्रोजेक्ट पर भारत हमेशा से खुलकर ऐतराज जताता रहा है। ऐतराज की वजह है ये कॉरिडोर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) से गुजरता है जिसे भारत अपना हिस्सा मानता है।

पीएम मोदी की अमेरिकी यात्रा का असर, तहव्वुर हुसैन राणा के बुरे दिन शुरु

लाहौर (एजेंसी)। कैलिफोर्निया (ईएमएस)। पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर हुसैन राणा के बुरे दिन आ गए हैं। हुसैन द्वारा दायर की गई बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट को बाइडेन प्रशासन ने कैलिफोर्नियाई अदालत से अस्वीकार करने का आग्रह कर दोहराया है कि राणा को भारत भेजा जाए। तहव्वुर हुसैन का कनेक्शन 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों से है, तभी भारत अमेरिका से राणा को जल्द भेजने की मांग कर रहा है।

एक अमेरिकी अदालत ने मई में राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी। राणा को फिलहाल लॉस एंजिल्स के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में हिरासत में है। राणा (62) ने अपने वकील के द्वारा बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर भारत सरकार द्वारा उसके प्रत्यर्पण को चुनौती दी थी। राणा की याचिका का विरोध करते हुए अमेरिकी वकील एस्ट्राडा ने कहा कि याचिकाकर्ता यह प्रदर्शित करने में असमर्थ है कि भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध में संभावित कारण के पर्याप्त सबूत नहीं हैं। राणा के वकील ने प्रत्यर्पण अनुरोध संधि के तहत इसका विरोध किया था। उसके वकील ने तर्क दिया था कि राणा का प्रत्यर्पण अवैध है।

गौरतलब है कि भारत ने 10 जून 2020 को प्रत्यर्पण के लिए राणा की अस्थायी गिरफ्तारी की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने राणा के भारत प्रत्यर्पण का समर्थन कर इस मंजूरी दी थी। इसके बाद, राणा को गिरफ्तार किया गया था। भारत में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) पाकिस्तान आधारित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों द्वारा 26 नवंबर 2008 को मुंबई में किए गए हमलों में राणा की भूमिका की जांच कर रहा है। इन हमलों के दौरान अजमल कसाब नामक आतंकवादी जिंदा पकड़ा गया था, जिसे 21 नवंबर 2012 को भारत में फांसी की सजा दी गई, बाकी आतंकवादियों को सुरक्षाबलों ने हमलों के दौरान ढेर कर दिया था। मुंबई आतंकवादी हमलों में छह अमेरिकी नागरिक सहित कुल 166 लोगों की जान गई थी।

पाकिस्तान में पीएम शहबाज शरीफ को अयोग्य ठहराने की मांग करने वाली याचिका

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी अदालत में याचिका दायर की गई है जिसमें अपने बड़े भाई पूर्व पीएम नवाज शरीफ के इलाज के बाद ब्रिटेन से लौटने के संबंध में अदालत से झूठा वादा करने के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को अयोग्य ठहराने की मांग की गई है। लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) ने यह कहकर सुनवाई अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी कि यह याचिका तब दायर की जानी चाहिए थी जब शहबाज शरीफ पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान अपना वादा पूरा करने में विफल रहे। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सर्वोच्च नेता और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बड़े भाई नवाज नवंबर 2019 से ब्रिटेन में स्व-निर्वासन में रह रहे हैं।

याचिकाकर्ता अज़हर अब्बास ने दलील दी कि शहबाज ने नवंबर 2019 में एलएचसी की दो-न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष एक झूठा हलफनामा दायर किया था कि अगर नवाज शरीफ को इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति दी जाती है, तब वह चार सप्ताह के भीतर अपने बड़े भाई की वापसी सुनिश्चित करुंगा। याचिकाकर्ता ने कहा कि एलएचसी ने शहबाज शरीफ के हलफनामे को स्वीकार कर लिया और नवाज शरीफ, जो अब 73 वर्ष के हैं, को अपने इलाज के लिए चार सप्ताह के लिए विदेश जाने की अनुमति दी। लेकिन नवाज नवंबर 2019 से यूरोप और खाड़ी की यात्रा कर रहे थे, लेकिन पाकिस्तान नहीं लौट रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके अलावा, ऐसा प्रतीत होता है कि नवाज शरीफ ने अदालत से राहत पाने के लिए अपनी बीमारी का बहाना बनाया था।

याचिकाकर्ता ने अदालत से गुहार लगाई कि 71 वर्षीय शहबाज शरीफ को संविधान के अनुच्छेद 62 और 63 के प्रावधानों के तहत अयोग्य ठहराया जाना चाहिए। सहायक अटॉर्नी जनरल शेराज़ ज़का ने रिट याचिका की विचारणीयता पर आपत्ति जताते हुए कहा कि याचिकाकर्ता इस मामले में पीड़ित व्यक्ति नहीं है।

कनाडा के बाद लंदन में किल इंडिया रैली का प्लान

लंदन (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थक विदेश में भारत विरोधी अजेंडा चलाने से बाज नहीं आ रहे हैं। कुछ दिन पहले ही अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय कॉन्सुलेट पर हमला किया गया। अब पोस्टर के जरिए लंदन में भारतीय उच्चायोग के सामने किल इंडिया रैली को प्रमोट किया जा रहा है। बता दें कि इस बीच कई खालिस्तानी समर्थकों की मौत हो गई। अब वे इसको लेकर भारतीय अधिकारियों और पत्रकारों को टारगेट कर रहे हैं। खालिस्तानी समर्थकों ने इससे पहले कनाडा में किल इंडिया रैली का प्लान बनाया था। भारत ने इसको सख्ती से हैंडल किया और इस तरह के अजेंडे का विरोध किया। अब वे लंदन में भी ऐसी ही रैली का प्लान कर रहे हैं। खालिस्तान किल इंडिया रैली के लिए ट्विटर पर कई अकाउंट बनाए गए हैं। इनमें से ज्यादातर के 10-15 ही फॉलोअर हैं। इन्हीं के जरिए इन पोस्टर्स को रीट्वीट किया जा रहा है। इन पोस्ट में पत्रकारों को टैग किया गया है। एक पोस्टर में लिखा गया, खालिस्तान फ्रीडम रैली, 8 जुलाई अपराह्न 12-30 बजे। यूके भारतीय उच्चायोग के सामने। इस तरह से खालिस्तानी अपने अजेंडे को प्रमोट कर रहे हैं।

पोस्टर में यूके में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराइस्वामी और शशांक विक्रम की तस्वीर भी छापी गई। इन पोस्टर में इन अधिकारियों को टारगेट करके कहा गया कि हरदीप सिंह निज्जर की मौत के लिए यही जिम्मेदार हैं। पोस्टर के क्लू देखकर लगता है कि इसे सिख फॉर जस्टिस ने डिजाइन किया है। इस बीच गुरपंतवंत पन्नू का एक वीडियो आया जिसमें उसने दावा किया कि दुनियाभर का सिख समुदाय लोकतांत्रिक तरीके से पंजाब को आजाद कराना चाहता है। लेकिन यूके, यूएस, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के अलावा अन्य यूरोपीय देशों में बैठे भारतीय राजनयिक हिंसा करवा रहे हैं। कनाडा, यूएस और ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीय उच्चायोग के सामने रैली करने के पोस्टर सोशल मीडिया पर सामने आए थे।

वीडियो संदेश जारी कर खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने कहा वह अभी जिंदा हैं

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका में रह रहे खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने दावा किया है कि वह अभी जिंदा है। इससे पहले सिख फॉर जस्टिस के संस्थापक पन्नू के कार हादसे में मारे जाने की खबरें आई थीं। अब पन्नू ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के बाहर से वीडियो जारी करके कार हादसे की सभी अटकलों को खारिज किया है। पन्नू ने दावा किया है कि इस वीडियो को कल यानि 5 जुलाई को ही शूट किया गया है। यही नहीं आतंकी पन्नू ने फिर से कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और ब्रिटेन में भारतीय राजनयिकों को धमकी दी है।

वीडियो में पन्नू को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के बाहर दिखाई दे रहा है। उसने वीडियो में कहा कि मैं संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय के बाहर खड़ा हूं। उसने कहा कि 16 जुलाई को मालटोन कनाडा में खालिस्तान की वोटिंग होगी। इसके बाद 10 सितंबर को वैंकुवर कनाडा में वोटिंग होगी। उसने दावा किया कि आतंकी नज्जर की हत्या के पीछे भारतीय राजनयिकों का हाथ है। इसके लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाएगा। उसने कहा कि मैं यही हूं जिस मिलना हो आ जाओ।

दरअसल, आतंकी नज्जर की हत्या के बाद खालिस्तानी आतंकी दहशत में आ गए हैं और छिपे हुए फिर रहे हैं। पन्नू भी पिछले कई दिनों से दिखाई नहीं दिया था। अब उसके मौत की अफवाह के बाद वह सामने आया है और वीडियो जारी करके एक बार फिर से भारत और भारतीय राजनयिकों को गीदड़भभकी दी है। इससे पहले सोशल मीडिया में अफवाह फैल गया था कि पन्नू अमेरिका में एक सड़क सड़क हादसे में मारा गया है।

जलवायु परिवर्तन के कारण...90 फीसदी समुद्री भोजन खतरे में

लंदन (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन के कारण लगातार बढ़ते तापमान और प्रदूषण के कारण दुनियाभर का 90 फीसदी समुद्री भोजन खतरे में आ चुके है। विशेषज्ञों के मुताबिक, सी-फूड में मछलियों की 2190 नस्ले आती हैं। इसके अलावा शेलफिश, एल्गी, पौधे और ताजा पानी में पाली जाने वाली 540 नस्लें सी-फूड के दायरे में आती हैं। सी-फूड से दुनिया के तीन अरब से ज्यादा लोगों का पेट भरता है। वहीं, करोड़ों लोगों को इसी सी-फूड के कारोबार से रोजगार मिलता है। रिपोर्ट के मुताबिक, सी-फूड के लिए बन रहे खतरों से निपटने के लिए सही दिशा में काम भी नहीं हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, समुद्री भोजन प्रणाली को लेकर तमाम देशों की रणनीति अभी तक सही तरीके से नहीं बनी है।

शोध के मुताबिक, सी-फूड इडस्ट्री में हो रहे हाइपर-प्रोडक्शन के कारण वेटलैंड्स को भारी नुकसान हो रहा है। यही नहीं, इससे पर्यावरण को भी नुकसान हुआ है। वहीं, समुद्री भोजन की गुणवत्ता के साथ ही मात्रा भी बुरा असर पड़ रहा है। इसके लिए समुद्र का जलस्तर बढ़ना, समुद्र की सतह का तापमान बढ़ना, बारिश का चक्र बदलना, एल्गी का ज्यादा उत्पादन होना के साथ ही पारा, कीटनाशक व एंटीबायोटिक के कारण प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बता दें कि भारत, चीन, जापान और वियतनाम में दुनिया के पूरे एक्वाकल्चर का 85 फीसदी उत्पादन होता है।

शोध में कहा गया है कि सबसे ज्यादा उत्पादन करने वाले देशों के हालात मजबूत करना प्राथमिकता होनी चाहिए। समुद्री भोजन पर निर्भर रहने वाले छोटे द्वीप राष्ट्र अहुत कमजोर हैं। मार्च 2023 में समुद्र में सस्टेनेबल डेवलपेंट पर संयुक्त राष्ट्र की संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे। ये समझौता सभी हितधारकों की बेहतरी की दिशा में कदम उठाने में मदद कर सकता है। पर्यावरणविदों के मुताबिक, इससे समुद्री जीवन को भारी नुकसान हो सकता है। बड़े सी-फूड प्रोड्यूसर्स में नॉर्वे भी एक देश है। नॉर्वे ने हाल में घोषणा की है कि अब वह भी समुद्री इलाकों में खनन की इजाजत देगा। हालांकि, इस ऐलान के बाद से नॉर्वे की काफी आलोचना हो रही है।

अध्यादेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई 10 को

नई दिल्ली । दिल्ली में सेवाओं पर नियंत्रण को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई 10 जुलाई को होगी। इस संबन्ध में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र द्वारा लाए गए अध्यादेश को चुनौती देने वाली दिल्ली सरकार की याचिका पर सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने दिल्ली सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी की याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने की मांग के बाद कहा कि वह 10 जुलाई को मामले की सुनवाई करेंगे। यहां गौरतलब है कि सिंघवी ने सीजेआई के नेतृत्व वाली पीठ से कहा कि यह पूरी तरह से अध्यादेश को चुनौती देने वाली याचिका है। अदालत ने कहा कि इसे आगामी 10 जुलाई सोमवार को सूचीबद्ध करें। बता दें कि केंद्र ने 19 मई को दिल्ली में ग्रुप-ए अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग के लिए एक अध्यादेश लाया था। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ द्वारा दिल्ली में पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था और भूमि को छोड़कर सेवाओं पर निर्वाचित सरकार को नियंत्रण देने के बाद यह अध्यादेश लाया गया था। इसके बाद, दिल्ली की आप सरकार ने अध्यादेश की संवैधानिकता को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया और कहा था कि यह अनुच्छेद 239एए में निहित संघीय, लोकतांत्रिक शासन की योजना का उल्लंघन करता है और स्पष्ट रूप से मनमाना है। दिल्ली सरकार ने इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

अब अहमदाबाद से सिर्फ छह घंटे में पहुंचेंगे जोधपुर, दूसरी वंदेभारत की सौगात

अहमदाबाद । अब यात्रियों को अहमदाबाद से जोधपुर पहुंचने में छह घंटे लगेंगे। गुजरात को एक और वंदेभारत ट्रेन की सौगात मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जोधपुर से गुजरात के अहमदाबाद के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को रवाना कर रहे हैं। यह ट्रेन आम लोगों के लिए 9 जुलाई से उपलब्ध होगी। गुजरात के लिए यह दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन होगी। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल 30 सितंबर को गांधीनगर कैपिटल से मुंबई के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को रवाना किया था। अहमदाबाद के साबरमती स्टेशन से जोधपुर जाने वाले वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन छह घंटे 10 मिनट में सफर को पूरा करेगी। अहमदाबाद के साबरमती से राजस्थान से जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस 9 जुलाई से दौड़ेगी। यह दूरी 6 घंटे 10 मिनट में तय करेगी। यह ट्रेन मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन चलेगी। वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन (12462) साबरमती-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस साबरमती से शाम 4.45 बजे रवाना होकर रात 10.55 बजे जोधपुर पहुंचेगी। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन अहमदाबाद से जोधपुर के बीच में शाम 5.33 बजे महेसाणा, शाम 6.38 बजे पालनपुर, शाम 7.13 बजे आबूरोड, रात 8.21 बजे फालना, तथा रात 9.40 बजे पाली मारवाड़ पहुंचेगी। इसी प्रकार यह ट्रेन (12461) वापसी में जोधपुर- साबरमती वंदे भारत एक्सप्रेस के तौर जोधपुर से सुबह 5.55 बजे रवाना होकर दोपहर 12.05 बजे साबरमती पहुंचेगी। इस दौरान यह ट्रेन सुबह 6.45 बजे पाली मारवाड़ पहुंचकर 6.47 बजे रवाना होगी। सुबह 7.50 बजे फालना पहुंचकर 7.52 बजे रवाना होगी। सुबह 9.05 बजे आबूरोड, 10.04 बजे पालनपुर, 10.49 बजे महेसाणा पहुंचेगी। अभी अहमदाबाद से जोधपुर की दूसरी करीब आठ से नौ घंटे में पूरी होती है। ट्रेन का अहमदाबाद से जोधपुर का किराया चेयर कार के लिए 1,115 रुपये और एक्जीक्यूटिव क्लास का किराया 2,130 रुपये होगा।

विदेश में सक्रिय बिश्नोई गैंग के ?खिलाफ इंटरपोल ने जारी किया रेड नोटिस

नई दिल्ली । विदेश में सक्रिय आपराधिक गैंग के खिलाफ इंटरपोल ने रेड नोटिस जारी किया है। जानकारी के अनुसार कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े अपराधियों में कपिल सांगवान उर्फ नंदू और विक्रमजीत सिंह के खिलाफ दो रेड नोटिस जारी किए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के सूत्रों ने बताया कि ये गैंगस्टर विदेश से गिरोह का संचालन कर रहे हैं। वे विदेश भाग गए हैं और वहां से बिश्नोई गिरोह का नेटवर्क चला रहे हैं। संदेह है कि विक्रमजीत सिंह, जिसे विक्रम बराड के नाम से भी जाना जाता है, दुबई में छिपा हुआ है जबकि कपिल सांगवान के ब्रिटेन में छिपे होने की आशंका है। इनमें से सांगवान कई आपराधिक मामलों और प्रतिद्वंद्वी समूहों के बीच हुए गैंगवारों के सिलसिले में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के रडार पर भी है। बता दें कि एनआईए ने हाल ही में अलग-अलग मामलों में दोनों अपराधियों से संबंधित कई ठिकानों पर छापेमारी की। गैंगस्टरों ने दूसरे गिरोहों के साथ मिलकर महागठबंधन भी बनाया था। गैंगस्टरों के महागठबंधन में ग्रुप ए नीरज बवाना का था। सूत्रों ने बताया कि गैंगस्टरों के इन दोनों महागठबंधनों ने कई राज्यों में उत्पात मचाया था और गैंगवॉर भी कर रहे थे। इंटरपोल के अनुसार, रेड नोटिस दुनिया भर में कानून प्रवर्तन से प्रत्यर्पण, आत्मसमर्पण या इसी तरह की कानूनी कार्रवाई के लिए लंबित किसी व्यक्ति का पता लगाने और उसे अस्थायी रूप से गिरफ्तार करने का अनुरोध है। यह अनुरोध करने वाले देश में न्यायिक अधिकारियों द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट या अदालती आदेश पर आधारित है।

वानखेड़े की याचिका बॉम्बे हाई कोर्ट से मंजूर...शाहरुख पर भी मामले में केस चल सकता

मुंबई । अभिनेता शाहरुख खान के बेटे को बचाने के लिए रिश्वत लेने के आरोपी एनसीपी के पूर्व जोनल डायरेक्टर को अपनी याचिका में संशोधन करने और अतिरिक्त जानकारी जोड़ने की अनुमति बॉम्बे हाई कोर्ट से मिल गई है। इसके बाद शाहरुख खान पर भी मामले में केस चल सकता है। दरअसल वानखेड़े ने कोर्ट से मांग की थी कि रिश्वत देने वाले पर भी मुकदमा चलाना चाहिए। वानखेड़े का तर्क है कि भ्रष्टाचार विरोधी अधिनियम के तहत रिश्वत देने वाला भी अपराधी होता है। वानखड़े मुंबई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो में जोनल डायरेक्टर के पद पर थे। उनपर आरोप है कि कार्डेलिया क्रूज ड्रग केस में अभिनेता शाहरुख के बेटे को बचाने के लिए उन्होंने 25 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी थी। बॉम्बे हाई कोर्ट में आपराधिक जनहित याचिका भी दायर की गई थी जिसमें कहा गया था कि शाहरुख को भी आरोपी बनाना चाहिए। आरोप है कि वानखेड़े ने केपी गोसावी के जरिए 50 लाख रुपये नकद रिश्वत ली थी। हाई कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया था कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 12 के तहत अगर को बिना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को सूचना दिए रिश्वत देता है तो उसपर भी केस बनता है। हाई कोर्ट ने वानखेड़े को 20 जुलाई गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा दी है। वरिष्ठ वकील आबाद पोंडा ने वानखेड़े की तरफ से कोर्ट में कहा था कि सीबीआई की एफआईआर रद्द करवाने की मांग के पक्ष में तर्क देने के लिए वह याचिका में सुधार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा था कि रिश्वत के मामले में वानखेड़े को गिरफ्तार किया गया है। इसके बाद रिश्वत देने वाले को भी आरोपी होना चाहिए और एनसीबी को शाहरुख पर केस चलने से रोकने का कोई अधिकार नहीं है।

मणिपुर में इंटरनेट सेवाएं बंद के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर में इंटरनेट सेवाएं बार-बार बंद करने के खिलाफ दायर राज्य के दो निवासियों की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि मणिपुर उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ पहले ही मामले की सुनवाई कर रही है। पीठ ने कहा कि इस मामले में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है और उस यह समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है कि क्या राज्य में इंटरनेट सेवाएं बहाल की जा सकती हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील शादान फरासत ने कहा कि यह मामला मणिपुर में इंटरनेट सेवाओं को प्रतिबंधित किए जाने से जुड़ा है। पीठ ने कहा, ''अनुच्छेद 226 के तहत एक याचिका उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। इस तथ्य के बीच फरासत ने इस चरण पर लंबित मामले को वापस लेने और उसमें हस्तक्षेप करने या उच्च न्यायालय के समक्ष एक स्वतंत्र याचिका दायर करने की अनुमति मांगी है। हम सभी अधिकारों और वाद को खुला रखते हुए उन्हें ऐसा करने की अनुमति देते हैं।'' शीर्ष अदालत चोंगथम विक्टर सिंह और मायेंगबाम जेम्स की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में कहा गया है कि इंटरनेट बंद किए जाने का कदम भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार और संवैधानिक रूप से संरक्षित इंटरनेट के माध्यम का उपयोग करके किसी भी व्यापार या व्यवसाय को करने के अधिकार में हस्तक्षेप करता है और इस तरह यह ''पूरी तरह से असंगत'' है।

एक और चाचा ने किया भतीजे पर हमला: पारस ने चिराग पासवान पर हाजीपुर लोकसभा सीट से उम्मीदवारी को लेकर निशाना साधा

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने अपने भतीजे एवं सांसद चिराग पासवान पर निशाना साधते हुए कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि जो भी हाजीपुर लोकसभा सीट से 2024 में चुनाव लड़े उसकी जमानत जब्त हो जाए। पारस ने यह तंज इन खबरों के बीच किया कि चिराग पासवान हाजीपुर से चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं जो दशकों से उनके दिवंगत पिता रामविलास पासवान का गढ़ रहा है और जिसका प्रतिनिधित्व वर्तमान में उनके चाचा कर रहे हैं।

पारस ने कहा कि अगर चिराग पासवान ने जमुई के लोगों को ''धोखा'' दिया तो वह कहीं से भी जीत नहीं पाएंगे। चिराग 2014 से लोकसभा में जमुई का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। पारस ने दावा किया कि हाजीपुर 1977 से उनकी ''कर्मभूमि'' रही है। उन्होंने कहा कि उनके बड़े भाई रामविलास पासवान ने 2019 में उन्हें वहां से मैदान में उतारकर यह सीट उन्हें सौंप दी थी। दलित नेता रामविलास पासवान द्वारा बनायी गई लोक जनशक्ति पार्टी 2020 में उनकी मृत्यु के बाद विभाजित हो गई और पारस के पांच सांसदों के साथ जाने से चिराग पासवान अपने गुट में अकेले सांसद रह गए।

बिहार में राजद-जदयू-कांग्रेस वाली सत्ताधारी महागठबंधन के खिलाफ अपने गठबंधन को मजबूत करने के लिए भाजपा भी चिराग पासवान को अपने पक्ष में लाने की कोशिश कर रही है। चिराग पासवान का मानना है कि चुनाव में उन्हें अपने पिता के समर्थकों मतदाताओं में से ज्यादातर के वोट मिलेंगे। पारस ने इन खबरों को खारिज कर दिया कि उनके भतीजे को केंद्र सरकार में मंत्री के रूप में शामिल किया जा सकता है। उन्होंने दावा किया कि ऐसी कोई संभावना नहीं है और उन (चिराग पासवाप) पर राजद के साथ संपर्क में रहने का आरोप लगाया। पारस ने रामविलास पासवान के लिए भारत रत्न की मांग की और बिहार सरकार से हर साल आधिकारिक तौर पर उनकी जयंती मनाने का आग्रह भी किया।

सिसोदिया ने जमानत के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया ने कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े सीबीआई और ईडी मामलों में जमानत के लिए बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया। उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय के दो आदेशों को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। उच्च न्यायालय ने इन मामलों में उनकी अलग-अलग जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया के पास आबकारी विभाग भी था। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उन्हें ''घोटाले'' में उनकी कथित भूमिका के लिए पहली बार 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था और तब से वह हिरासत में हैं। उन्होंने 28 फरवरी को दिल्ली मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। उच्च न्यायालय ने 30 मई को आबकारी नीति मामले में मनीष सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि वह एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं तथा 18 विभागों के साथ उपमुख्यमंत्री का पद संभाल चुके हैं और गवाह ज्यादातर लोक सेवक हैं, इसलिए गवाहों को प्रभावित किए जाने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। उच्च न्यायालय ने तीन जुलाई को आबकारी नीति से जुड़े कथित घोटाले से संबंधित धन शोधन के मामले में सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सिसोदिया को धनशोधन मामले में नौ मार्च को गिरफ्तार किया था।

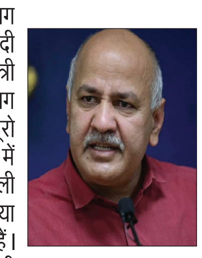

पीएम मोदी शामिल होंगे रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा में, जनवरी में होगा आयोजन

-सीआईएसएफ को मिलेगा रामजन्मभूमि की सुरक्षा का जिम्मा, तैयारियां हुई शुरु

अयोध्या(एजेंसी)। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल होंगे। जनवरी 24 में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए अभी से तैयारियां शुरु हो गई हैं। इसके लिए रामजन्मभूमि की सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलेगा। वर्तमान में त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में स्थित इस परिसर की निगरानी में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालेगा। जनवरी के तीसरे सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए यहां आएंगे। ऐसे में उनके कार्यक्रम से पूर्व सीआइएसएफ यहां अपना सुरक्षा का तानाबाना तैयार कर लेगी। गौरतलब है कि यह फोर्स ऐतिहासिक भवनों से लेकर हवाई अड्डों, मेट्रो रेल व अन्य बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में विशेषज्ञता रखती है। जाहिर है कि सीआइएसएफ के सिक्योरिटी आडिट पर ही राममंदिर की सुरक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन की योजना बनाई गई है। सीआइएसएफ ने गत वर्ष रामजन्मभूमि परिसर का सिक्योरिटी आडिट किया था तभी से यह संभावना व्यक्त की जा रही थी भविष्य में राममंदिर की सुरक्षा सीआइएसएफ को सौंपी जा सकती है।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीजी सीआइएसएफ शीलवर्धन सिंह व डीआइजी सुमंत सिंह ने रामजन्मभूमि परिसर का निरीक्षण किया। सीआइएसएफ के उच्चाधिकारियों की बढ़ती सक्रियता ने संभावना पर मुहर लगा दी है। एडीजी जोन पीयूष मोर्डिया, आइजी रेंज प्रवीण कुमार एवं एसएसपी राजकरन नय्यर भी उनके साथ रहे। अधिकारियों ने तीन घंटे तक परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान सिक्योरिटी आडिट के अनुरूप होने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की। श्रद्धालुओं के आवागमन के मार्ग देखने के साथ-साथ बैग स्कैनर आदि लगने के प्रबंध भी देखे। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी भी इस मौके पर रहे। अधिकारियों ने आवश्यकता एवं अपेक्षाओं पर भी चर्चा की।

जानकारी के अनुसार सीआइएसएफ की रणनीति में रामजन्मभूमि परिसर को अधिक से अधिक तकनीकी सुरक्षा कवच प्रदान करना है, जिसमें एंटी ड्रोन तकनीक भी शामिल है। रेड जोन के साथ-साथ परिसर से सटे यलो जोन के बाहरी क्षेत्र में भी सिक्योरिटी आडिट में प्लानिंग की गई है। वर्तमान में रामजन्मभूमि की सुरक्षा में सीआरपीएफ, पुलिस और पीएसी तैनात है। गर्भगृह की सुरक्षा सीआरपीएफ के हवाले है। एडीजी जोन पीयूष मोर्डिया ने बताया कि सीआइएसएफ के अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने आए थे। देश के हवाई अड्डों, ताजमहल, मेट्रो सहित अन्य कई ऐतिहासिक भवनों एवं महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा का अच्छा अनुभव सीआइएसएफ के पास है। इसीलिए राममंदिर की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी दी जा रही है।

पोस्टर में बाहुबली शरद पवार, तो अजित को दिखाया कटप्पा

-फिल्म से प्रेरित होकर दिल्ली में लगाए पीठ में घोंपी तलवार वाले पोस्टर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति से प्रेरित होकर कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में फिल्म बाहुबली की तर्ज पर पोस्टर लगाकर अपना विरोध जाहिर किया है। पोस्टर में शरद पवार को बाहुबली तो अजित पवार को कटप्पा के रुप में दिखाया गया है। इस तरह से महाराष्ट्र की राजनीति को ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली से जोड़ने की कोशिश की गयी है। जहां सिंहासन के लिए छल-कपट धोखा- चाल हर चीज को अपनाकर कुर्सी तक पहुंचा गया। जानकारी के अनुसार देश की राजधानी दिल्ली में कुछ पोस्टर चिपकाए गये हैं जिसमें एनसीपी में जो कुछ हुआ उसे बाहुबली फिल्म से रिलेट किया गया। गौरतलब है कि जैसे ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का गुटीय झगड़ा चुनाव आयोग के दरवाजे तक पहुंचा, एनसीपी की छात्र शाखा ने पार्टी संस्थापक शरद पवार के खिलाफ अजीत पवार के विद्रोह के संदर्भ में दिल्ली कार्यालय के बाहर एक गद्दार पोस्टर लगाया। राष्ट्रवादी विद्यार्थी कांग्रेस ने फिल्म बाहुबली के एक दृश्य को दर्शाते हुए एक पोस्टर लगाया, जिसमें अजित पवार को

कटप्पा के रुप में अमरेंद्र बाहुबली शरद पवार की पीठ में छुरा घोंपते हुए दिखाया गया है। इस पर गद्दार लिखा हुआ था। पोस्टर में लिखा है, अपनों के बीच छिपे गद्दारों को पूरा देश देख रहा है। जनता ऐसे लोगों को माफ नहीं करेगी। हालांकि, पोस्टर में किसी का नाम नहीं लिखा गया है।

गौरतलब है कि अजित पवार पर परोक्ष कटाक्ष उनके गुट द्वारा बांद्रा में एक बड़े शक्ति प्रदर्शन में 31 विधायकों के समर्थन का दावा करने के एक दिन बाद आया है। अजित पवार गुट द्वारा बुलाई गई बैठक में एनसीपी के 53 विधायकों में से 31 ने भाग लिया, जबकि शरद पवार द्वारा संबोधित सम्मेलन में 14 विधायक उपस्थित थे। राकांपा की गुटीय लड़ाई भी चुनाव आयोग के दरवाजे तक पहुंच गई और टीम अजीत ने अपने समर्थन में विधायकों और सांसदों के 40 से अधिक हलफनामे दाखिल किए।

पेशाब कांड: पीड़ित के घर पहुंचे बीजेपी नेता...महिलाओं ने चप्पल उठा ली

-पीड़ित परिवार सख्त सजा की मांग कर रहा

सीधी (एजेंसी)। सीधी पेशाब कांड में इनदिनों सियासत जारी है। इसी कड़ी में कांग्रेस नेताओं ने पीड़ित के घर के बाहर धरना दिया था। इस बीच बीजेपी विधायक केदारनाथ शुक्ला पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे थे। विधायक के पहुंचने के बाद बड़ी संख्या में बीजेपी नेता भी पहुंच गए थे। बीजेपी नेताओं को गांव में देखकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। महिलाओं ने इस बीच हाथ में चप्पल उठा लिए।

दरअसल, गांव के लोगों को घटना से नाराज थे। उनका कहना था कि प्रवेश शुक्ला क्या किसी दूसरी जाति के लोगों के साथ ऐसा कर सकता था। इस दौरान विधायक केदारनाथ शुक्ला पीड़ित परिवार के घर में बैठे हुए थे। तभी हाथ में चप्पल लेकर महिलाएं विरोध जताने लगीं। पीड़ित की पत्नी का कहना था कि हमारे पति दो दिन से घर नहीं आए हैं। इस पर विधायक ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि उन्हें पति से बात कराई जाएगी। घटना के बाद शिवराज सरकार डैमेज कंट्रोल में जुटी है। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने पीड़ित परिवार को भोपाल बुलाया है। वहीं, परिवार के लोग प्रवेश शुक्ला पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पीड़ित के दो बच्चे हैं, वह खुद मजदूरी कर इनका भरण पोषण करते हैं।

बीजेपी का विरोध करने वालों से बदला लेने के लिए लाया जा रहा यूसीसी,

तमिलनाडु सीएम स्टालिन बोले- तानाशाही शासन चलाने के लिए इसे थोपा जा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाजपा की आलोचना करते हुए दावा किया कि पार्टी चुनाव से पहले किए गए किसी भी वादे को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का प्रस्ताव बीजेपी का विरोध करने वालों से बदला लेने के लिए किया गया है। चेन्नई में एक समारोह को संबोधित करते हुए सीएम स्टालिन ने कहा कि भाजपा ने कोई भी चुनावी वादा पूरा नहीं किया है और तानाशाही शासन चलाने के लिए धर्म और सनातन को थोप रही है।

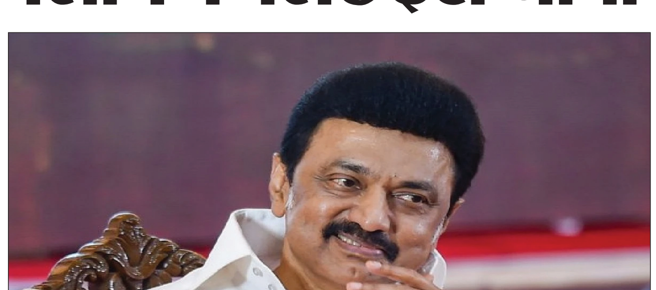

स्टालिन ने आगे कहा कि भाजपा द्वारा प्रस्तावित यूसीसी पार्टी का विरोध करने वालों से बदला लेने का एक साधन है। देश में पहले से ही नागरिक और आपराधिक संहिताएं हैं। लेकिन वे इसे हटाना चाहते हैं और भाजपा की विचारधारा को शामिल करने के लिए यूसीसी लागू करना चाहते हैं, भाजपा का विरोध करने वालों से बदला लेना चाहते हैं और लोगों को पीड़ा पहुंचाना चाहते हैं।

सीएम ने केंद्र पर राजनेताओं और उनका विरोध करने वाले व्यक्तियों को डराने-धमकाने के लिए सीबीआई, आईटी और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों को नियुक्त करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि मध्य प्रदेश की अपनी यात्रा के दौरान भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्रमुक के विचारों में व्यस्त थे। वह वहां गए और कहा कि हम अपने परिवार के फायदे के लिए शासन कर रहे हैं।

प्रेमी से मिलने भारत आई संदिग्ध महिला सीमा गुलाम हैदर ने जेल में गुजरी रात

-महिला के मोबाइल का डेटा रिकवर किया जा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी महिला गअपने प्यार को पाने के लिए चार बच्चों के साथ भारत आई। कुछ समय तक पहचान छिपाकर यहां रही थी, लेकिन जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में आई और अब जेल में है। उसका प्यार सच्चा है या वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की सच्ची जासूस है, इसका पता लगाने में जांच एजेंसियां जुट गई हैं, लेकिन अभी तक की जांच में साफ होता है कि सीमा गुलाम हैदर की बातों में विरोधाभास है, इसकारण शक बढ़ता जा रहा है।

फिलहाल पाकिस्तानी महिला सीमा गुलाम हैदर ने भारत की जेल में अपनी पहली रात गुजारी। वह ग्रेटर नोएडा की लुक्सर जेल में अपने प्रेमी के बैरक से 100 मीटर दूर महिला बैरक में बंद है। बताया जा रहा है कि 80 महिला बंदियों के बीच सीमा गुलाम हैदर ने पहली रात गुजारी। रिपोर्टों के मुताबिक महिला ने अपने बच्चों के साथ बैठकर खाना खाया, लेकिन उसके चेहरे पर उदासी साफ दिख रही थी। इस बीच, कई जांच एजेंसियों ने जेल पहुंचकर उससे पूछताछ की है। जेल अधिकारियों ने बताया है कि पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर और उसके 4 बच्चों को महिला बैरक में रखा गया है। मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि पाकिस्तानी महिला जेल अधिकारियों से गुहार लगा रही थी कि उसे उसके प्रेमी सचिन से मिलने दिया जाए। बता दें कि सीमा गुलाम हैदर का प्रेमी सचिन कुमार 11 नंबर बैरक में बंद है। इस बीच, जेल प्रशासन के अधिकारियों ने बताया है कि सीमा अगर चाहेगी तब उसे यहां मौजूद व्यवस्था के तहत संगीत शिक्षा या अन्य किसी कला की शिक्षा भी दी जाएगी। उसके बच्चों के लिए भी जेल में शिक्षा की व्यवस्था होगी। बता दें कि जेल में सीमा और सचिन के अलावा सचिन के पिता नेत्रपाल भी बंद हैं।

इस बीच, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच एजेंसियां इन सभी से पूछताछ कर रही हैं और सीमा के भारत आने के सभी संभावित कारणों के बारे में पड़ताल की जा रही है। नेपाल की जिस ट्रैवल एजेंसी की मदद से पाकिस्तानी महिला भारत आई थी उसके बारे में भी पता लगाया जा रहा है। जेल प्रशासन का कहना है कि अभी तक पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर के किसी भी परिजन ने संपर्क नहीं किया है। अगर कोई संपर्क करता है, तब जांच एजेंसियों को इसकी सूचना दी जायेगी। इस बीच, पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि पाकिस्तानी महिला और सचिन के पास से कई सिम और मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। फोन और सिम से काफी डेटा को डिलीट किया गया है, इस रिकवर करने के लिए विशेषज्ञों की टीम जुटी हुई है। पुलिस को उम्मीद है कि फोन का डेटा रिकवर होने पर कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकती है। पुलिस का यह भी मानना है कि जिस तरह पबजी पर सीमा की सचिन से मुलाकात हुई वह संदेहास्पद है, क्योंकि ऑनलाइन गेमों और सोशल मीडिया के जरिये ही पाकिस्तानी एजेंसियां भारतीयों को अपने जाल में फंसाती हैं।

पुलिस ने बताया है कि पाकिस्तानी महिला हिंदी और अंग्रेजी बोल लेती है और अकेले ही कई देशों की यात्रा कर चुकी है। हालांकि महिला सीमा का दावा है कि वह मात्र दसवीं कक्षा तक पढ़ी है। वह कहने को मुस्लिम है लेकिन चंद मिनटों में ही साड़ी पहन सकती है। बताया जा रहा है कि वह पाकिस्तान के सिंध प्रांत के रिंड हजाना गांव की रहने वाली है। पाकिस्तानी महिला ने शुरुआती पूछताछ में बताया है कि उसका पति कराची में टाइल्स लगाने का काम करता था। 2019 में वह सऊदी अरब चला गया और वहां उसने दूसरा निकाह करने के बाद तीन तलाक दे दिया। बताया जाता है कि सीमा सचिन के प्यार में इस कदर दिवानी हो गई थी कि उसने अटारी-वाघा सीमा के द्वारा भी भारत आने का प्रयास किया था लेकिन सफल नहीं हो सकी थी। इसके बाद उसने सचिन से पाकिस्तान आने के लिए कहा तब उसने कहा कि उसके पास पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज तथा पैसे नहीं हैं। इसके बाद सीमा अपने बच्चों को लेकर नेपाल पहुँची और वहां से बस के माध्यम से भारत पहुँची और ग्रेटर नोएडा के रबुपूरा में सचिन के पास

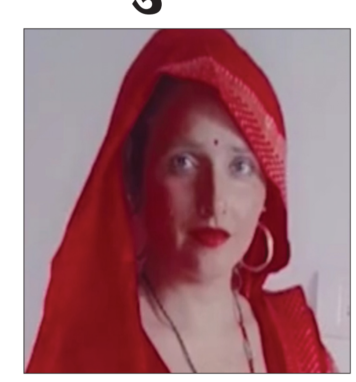

पहुँच गई। बाद में सचिन एक कमरा किराये पर लेकर सीमा के साथ वहां रहने लगा था। उस कमरे को पुलिस ने सील कर दिया है। बताया यह भी जा रहा है कि सचिन सीमा के बच्चों के नाम बदल कर उनके भारतीय दस्तावेज बनवाने का प्रयास भी कर रहा था और इस संबंध में कई जन सुविधा केंद्रों में उसने संपर्क भी किया था। बहरहाल, जांच एजेंसियां जांच में जुटी हैं देखना होगा कि इस मामले में क्या निकल कर सामने आता है?

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुरत मनपा उधना ज़ोन-बी में कार्यवाही,सेटिंग्स.कॉम से परेशान जनता

गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने अहमदाबाद में चाइल्ड फ्रेन्डली पुलिस थाने के रूम में उद्घाटन किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने अहमदाबाद के पालडी पुलिस थाने में फाउंडेशन के सहयोग से बनाए गए चाइल्ड फ्रेन्डली रूम का वर्च्युअल माध्यम से उदघाटन किया। अहमदाबाद शहर पुलिस ने एक नई पहल करते हुए विपरीत परिस्थितियों में फंसे बच्चों को बचाकर उनके लिए सानुकूल माहौल बनाकर सामान्य जीवन व्यतीत करने में मददगार होने के लिए पालडी पुलिस थाने में चाइल्ड फ्रेन्डली रूम तैयार करवाया है। इसका उदघाटन करते हुए गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने अहमदाबाद शहर पुलिस का अभिनंदन किया है। इस मौके पर चाइल्ड फ्रेन्डली विषय पर स्पेशल ट्रेनिंग सेशन कार्यक्रम भी हुआ। जिसमें खासकर बच्चों के लिए सुधारात्मक और विकासशील अभिगम के लिए सानुकूल माहौल सृजित हो उसके लिए विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। हर्ष संघवी ने कहा कि राज्य सरकार के मार्गदर्शन में अहमदाबाद के पालडी पुलिस थाने में चाइल्ड फ्रेंन्डली रूम तैयार किया गया है। कानून के संघर्ष में आए बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए राज्य सरकार का संनिष्ठ प्रयास है। परिस्थिति या मजबूरीवश कानून से संघर्ष में आए बच्चे और पुलिस के बीच एक संवेदनशील सेतु बने और सुधारात्मक अभिगम के साथ उनका बचपन बीते तथा उनके भविष्य को ध्यान में रखकर इस प्रकार के प्रकल्पों द्वारा राज्य सरकार संवेदनशील प्रयास कर रही है। गुजरात पुलिस के कामकाज को लेकर हर्ष संघवी ने कहा कि फिलहाल राज्य पुलिस पांच जितने विषय पर उत्तम कार्य कर रही है। जिसमें सबसे पहला ड्रग्स के दूषण को नेस्तनाबूद करने के लिए सख्त कार्यवाही कर रही है। दूसरा महिलाओं की सुरक्षा में गुजरात पुलिस सबसे आगे है। इसके बावजूद कहीं न कहीं महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए गुनहगारों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ तेज कार्यवाही कर समाज में ऐसी घटनाओं का पुनरावर्तन ना हो इस दिशा में काम कर रही है। तीसरा महत्वपूर्ण कार्य को निकले नागरिकों के साथ अयोग्य व्यवहार ना हो इस प्रकार ट्रैफिक पुलिस काम कर रही है।

चौथा ब्याजखोरों को सिर्फ गिरफ्तार करना ही नहीं बल्कि उनके पास से पीड़ितों को रूपए, मकान और आभूषण इत्यादि दिलाने का काम गुजरात पुलिस कर रही है। पांचवां बच्चों के खिलाफ होनेवाले अपराधों को रोकने के साथ ही बच्चों के लिए सानुकूल माहौल बनाकर उनकी मानसिक स्थिति बदलने का काम गुजरात पुलिस कर रही है।

चार महीने बाद गुजरात हाईकोर्ट को मिलेगा स्थायी मुख्य न्यायधीश

सुनीता अग्रवाल बनेंगी चीफ जस्टिस

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात हाईकोर्ट के रिक्त पड़े मुख्य न्यायधीश के पद के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट की न्यायधीश सुनीता अग्रवाल की सिफारिश की गई है। साथ ही गुजरात हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस एजे देसाई को केरल हाईकोर्ट का मुख्य न्यायधीश नियुक्त करने की भी सिफारिश की गई है। बता दें कि गुजरात हाईकोर्ट की चीफ सोनियाबेन गोकाणी के निवृत्त होनेके बाद उनक स्थान पर वरिष्ठ न्यायधीश एजे देसाई बतौर एक्टिंग चीफ जस्टिस कार्यरत थे। चार महीने तक एक्टिव चीफ जस्टिस रहे एजे देसाई को सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम द्वारा केन्द्र सरकार को कुछ सिफारिश भेजी गई है। जिसमें गुजरात हाईकोर्ट के रिक्त चीफ जस्टिस के पद के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट की न्यायधीश सुनीता अग्रवाल के नाम की सिफारिश की गई है। साथ ही गुजरात हाईकोर्ट के मौजूदा एक्टिंग चीफ जस्टिस एजे देसाई को केरल हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाने की सिफारिश की गई है। कॉलेजियम की सिफारिश पर केन्द्र सरकार का कानून विभाग फैसला करेगा और उसके बाद गुजरात हाईकोर्ट को दूसरी महिला मुख्य न्यायधीश मिलेगी। जो देश की सभी हाईकोर्ट की इकलौती महिला मुख्य न्यायधीश होंगी। सुनीता अग्रवाल वर्तमान में इलाहाबाद हाईकोर्ट में सबसे वरिष्ठ न्यायधीश हैं। सुनीता अग्रवाल का कार्यकाल 2028 में उस वक्त समाप्त होगा जब वे निवृत्त होंगी। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट को पहली महिला मुख्य न्यायधीश के तौर पर सोनियाबेन गोकाणी मिली थीं, जो संक्षिप्त अवधि के लिए मुख्य न्यायधीश रहीं।

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और
समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com